सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता
माँ दुर्गा ज्वेलर्स
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है

मीडिया हाउस में काम करने के लिए ऑफिस बॉय की जरूरत है।

(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)

वेतन चार अंकों में ....

पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई

संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 15 अंक - 39 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 22 नवंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने नक्सलियों ने लगाई आइईडी जवानों ने किया निष्क्रिय

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों की ओर से प्लांट किए गए आइईडी को बरामद कर निष्क्रिय किया गया। बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए नक्सलियों ने किरंदुल थाना अंतर्गत लोहा गांव के पास कुल 10 किलो के चार अलग-अलग कमांड आइईडी लगाया था। जवानों ने नक्सलियों की इस साजिश नाकाम कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार नक्सली उन्मूलन अभियान के तहत मंगलवार केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की एक पार्टी गश्त के लिए निकली थी। जवानों को धोबी घाट और ग्यारह सी माइनिग जाने वाले तिराहे के आगे लोहा गांव के पास एक वायर जमीन से उपर निकला दिखाई दिया। इसके बाद जवान सतर्क हो गए और एसपी को इसकी जानकारी दी। मौके पर दंतेवाड़ा से बीडीएस दल को भेजा गया। टीम ने मौके से पांच किलो के एक, दो किलो के दो और एक किलो का एक कमांड आइईडी बरामद कर निष्क्रिय किया।

नक्सलियों की लगाई आइईडी की चपेट में आया ग्रामीण, पैर के उड़े चिथड़े

बीजापुर। जिले के अतिसंवेदनशील पामेड़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत प्रेशर आईईडी के चपेट में आने से ग्रामीण रूप से घायल हो गया। ग्रामीण के दाहिने पैर में गंभीर चोट आई है। पामेड़ थाना क्षेत्र के धर्माराम स्कूलपारा निवासी चन्द्रिय सपका (50) मछली पकड़ने के लिए तालाब जा रहा था। इसी दौरान वह नक्सलियों द्वारा लगाए गए आइईडी की चपेट में आ गया। सीआरपीएफ 151 वाहिनी व 204 कोबरा वाहिनी के जवान मौके पर पहुंचे और ग्रामीण को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। बीजापुर एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने इस घटना की पुष्टि है।

महाभीतरघातियों को दिखाया बाहर का रास्ता, बाकी का नंबर 3 दिसंबर के बाद

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

कांग्रेस को पिछली 71 सीटों में से करीब 27 सीटों पर नुकसान का अंदेशा

भिलाई। छत्तीसगढ़ में दूसरी बार सरकार बनाने को लेकर आश्वस्त दिख रही कांग्रेस पार्टी ने प्रत्याशियों की पुख्ता शिकायतों के बाद महाभीतरघातियों पर कार्रवाई की है, लेकिन मतगणना के बाद उन भीतरघातियों पर भी कार्रवाई होना तय है, जिन्होंने पार्टी प्रत्याशियों को हरवाने के लिए कुचक्र रचा। कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा व पीसीसी चीफ दीपक बैज ने मतदान के बाद दो दिनों की समीक्षा के बाद सरकार बनाने के प्रति आश्वस्ति दिखाई। लेकिन इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी प्रत्याशियों ने भीतरघातियों के नाम उजागर किए। इनमें से करीब दो दर्जन लोगों को निलंबित किया गया है। इधर, पार्टी के प्रादेशिक नेतृत्व ने भी यह मान लिया है कि 75 प्लस सीटें हासिल करना मुश्किल नहीं होगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस को पिछली 71 सीटों में से करीब 27 सीटों पर नुकसान होने का अंदेशा है। इधर, भाजपा भी सरकार बनाने को लेकर उत्साहित नजर आ रही है।

छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण की वोटिंग के बाद कांग्रेस में समीक्षा का लम्बा दौर चला। राजधानी के राजीव भवन में दो दिनों तक लगातार हुई बैठक में जो बातें निकल कर सामने आई, वह कांग्रेसियों के माथे में चिंता की लकीर बढ़ाने वाली है। प्रदेश की करीब 27 सीटों पर भीतरघातियों से नुकसान हो रहा है। ऐसे में कांग्रेस का 75 सीटें पार करने का समीकरण बिगड़ सकता है। हालांकि पार्टी ने बीच-बीच में कई भीतरघाती और बागियों पर निलंबन और निष्कासन की कार्रवाई की है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा के पास कई जगहों से शिकायत मिलने की भी बात सामने आई थी। सैलजा रविवार को इंडोर स्टेडियम में मैच देखने के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी और नेताओं से पूछताछ करती देखी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें कहा था- 'अरे चिंता मत करिए मैडम, हम चुनाव जीत रहे हैं।'

बागियों ने दिखाए खुलकर तेवर

टिकट बंटवारे के बाद से बागियों ने लगातार अपने तेवर दिखाने शुरु कर दिए थे। यही वजह है कि कई सीटों पर कांग्रेस के नेता खुलकर बगावत करते नजर भी आए। सक्ती विधानसभा क्षेत्र में अनुभव तिवारी ने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी डॉ. चरणदास महंत के खिलाफ चुनाव लड़ा। पामगढ़ से गोरेलाल बर्मन ने शेषराज हरबंश के खिलाफ, जशपुर विधानसभा सीट से प्रदीप खेस ने कांग्रेस प्रत्याशी विनय भगत के खिलाफ तो रायपुर उत्तर से अजीत कुकरेजा ने कुलदीप जुनेजा के खिलाफ चुनाव लड़ा। वहीं जैजैपुर से टेकचंद्र चंद्रा ने प्रत्याशी बालेश्वर साहू के खिलाफ, पाली-तानाखार से छत्रपाल सिंह ने दुलेश्वरी सिदार के खिलाफ तो लोरमी से सागर सिंह बैस ने थानेश्वर साहू के खिलाफ, मुंगेली से रूपलाल कोसरे ने संजीत बनर्जी के खिलाफ, सरायपाली से विधायक किस्मतलाल नंद ने चातूरी नंद के खिलाफ धमतरी से लोकेश्वरी साहू ने ओंकार साहू के खिलाफ, बालोद से मीना साहू ने संगीता सिन्हा के खिलाफऔर कसडोल से गोरेलाल साहू, संदीप साहू के खिलाफ चुनावी मैदान में नजर आए।

एक से ज्यादा बागियों ने लड़ा चुनाव

राज्य की कई सीटें ऐसी भी रही, जहां कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ बागियों ने एक से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ा। इनमें रायपुर उत्तर से अजीत कुकरेजा, आनंद कुकरेजा व सागर दुल्हानी, बिल्हा सीट से शिव ध्रुव व निर्मल दिवाकर, लोरमी विधानसभा क्षेत्र से महेंद्र सिदार, सागर सिंह बैस और सूरज बर्मन, बालोद क्षेत्र से सत्येंद्र साहू, पीमन साहू, ललिता साहू व तुकाराम, हलधर, कोंडागांव सीट से मनीष श्रीवास्तव, शिशिर श्रीवास्तव व सुरेश पाटले, कसडोल विधानसभा से गोरेलाल साहू व मनोज अडिल के अलावा, मरवाही से गुलाब सिंह राज, शंकर पटेल, मुद्रिका सिंह सर्राटी, नारायण आमों, अजीत सिंह श्याम, गजरूप सिंह सलाम, दयाराम वाकरे, विवेक पोर्ते, तूफान सिंह धुर्वे और प्रताप सिंह मरावी शामिल हैं। इन सभी को निलंबित कर दिया गया है।

बागी तेवर दिखाने वाले इन नेताओं के खिलाफ हुई कार्रवाई

बागी तेवर दिखाने वाले नेताओं पर कांग्रेस लगातार निलंबन और निष्कासन की कार्रवाई कर रही है। बिलासपुर के महापौर रामशरण यादव से लेकर कई पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के 24 घंटे के भीतर ही कार्रवाई की गई। रामशरण यादव को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया। उन पर पार्टी संगठन के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करने का आरोप है। वहीं कई बागियों को 6 साल के निलंबित किया गया है। इनमें जशपुर से प्रदीप खेस, जांजगीर से गुड्डू महराज, सरायपाली से किस्मतलाल नंद, पामगढ़ से गोरेलाल बर्मन, रायगढ़ से शंकर अग्रवाल, मुंगेली से रूपलाल कोसरे, भाटापारा से मनोहर साहू, संजारी बालोद से मीना साहू, पाली तानाखार से छत्रपाल सिंह कंवर, कवर्धा से योगेश्वर राज सिंह, सामरी से प्रभातबेला मरकाम, लैलूंगा से महेंद्र सिदार, वैशाली नगर से अजहर अली, अंतागढ़ से अनूप नाग, कांति नाग, दंतेवाड़ा से अमूलकर नाग, महासमुंद से विश्वजीत बेहरा और बिलासपुर से प्रेमचंद्र जायसी के नाम शामिल हैं।

तेज रफ्तार कार व बस की टक्कर, बच्चे की मौत

■ बिहार से छठ पूजा कर रायपुर लौट रहा था परिवार

अंबिकापुर। बुधवार तड़के अंबिकापुर-बिलासपुर रोड़ पर बड़ा हादसा हो गया। बिहार से छठ पूजा कर लौट रहे परिवार की कार बस से टकराई और उसके परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार काफी तेज थी और टक्कर भी जोरदार हुई। हादसे में कार सवार 14 साल के बच्चे की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य घायल हैं। कार से टकराने के बाद बस भी पलट गई। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल हादसे की जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे नंबर 130 की है। बुधवार तड़के करीब तीन बजे यह हादसा हुआ। रायपुर का परिवार छठ पूजा के लिए बिहार गया हुआ था। छठ पूजा के बाद पूरे परिवार के लोग टाटा नेक्सन क्रमांक सीजी 04 एनएच 7796 में सवार होकर वापस रायपुर लौट रहे थे। तेज रफ्तार में कार उदयपुर थानाक्षेत्र के खरहरी नाले के मोड़ पर रायपुर से अंबिकापुर रॉयल बस से टकराई। टक्कर के बाद बस पलट गई और कार बस में ही फंसी रही।

कार चला रहे अमित मिश्रा (40) उनकी पत्नी पिंकी मिश्रा (35) व नैन्सी मिश्रा (15) घायल हो गए। वहीं अमित मिश्रा के पुत्र श्रेयांश मिश्रा (14) की मौत हो गई। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उदयपुर अस्पताल पहुंचाया जहां से उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद कार चला रहे अमित मिश्रा ड्राइविंग सीट पर फंसे रहे। पुलिस की टीम ने कार को बस से अलग किया और सामने का हिस्सा कटर से काटकर घायल अमित मिश्रा को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को गंभीर चोटें आई हैं।

अधूरे फुटओवर ब्रिज पर हाईकोर्ट की रेलवे को फटकार, मांगा जवाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर अधूरे फुट ओवरब्रिज को लेकर रेलवे फटकार लगाई है। खतरनाक तरीके से पटरी पार करते स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकिन हाईकोर्ट ले स्वत: संज्ञान लेते हुए रेलवे को 48 घंटे में जवाब देने कहा है। इस मामले में अगली सुनवाई 24 नवंबर को निर्धारित की गई है।

बता दें बिलासपुर रेलवे स्टेशन में फुट ओवर ब्रिज का निर्माण अधूरा होने के कारण पटरियों के बीच से स्कूली बच्चों आना जाना पड़ रहा है। रेलवे स्टेशन के दूसरी ओर ढाई लाख से अधिक लोग रहते हैं। लाखों लोगों को स्टेशन के इस तरफ आने-जाने के लिए बनाया गया पुराना फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) सालों पहले टूट चुका है। रेलवे ने नया एफओबी बनाने का काम शुरू किया। लेकिन 4 साल बाद भी इसका निर्माण पूरा नहीं हो पाया। इस कारण बच्चों को स्कूल जाने के लिए जान जोखिम में डालना पड़ रहा है। कई बार ट्रेन खड़ी रहने पर डिब्बों के नीचे से भी बच्चे निकलने को मजबूर होते हैं। मालगाडियां आए दिन काफी देर खड़ी रहती है।

खतरनाक तरीके से पटरी पार करते हुए बच्चों की फोटो और न्यूज मीडिया में आने के बाद हाईकोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने इसे देखकर गंभीरता से लेते हुए इस मामले को जनहित याचिका के रूप में स्वीकार कर सुनवाई की। रेलवे की ओर से केंद्र सरकार के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा उपस्थित हुए। चीफ जस्टिस ने उनसे पूछा कि रेलवे के अफसर क्या कर रहे हैं? उन्हें यह पता नहीं है कि, कौन सा काम अधिक जरूरी है। इस तरह से हजारों बच्चों की जिंदगी रेल पटरी के भरोसे पर छोड़ना बेहद शर्मनाक है। हाईकोर्ट ने केंद्र शासन और रेलवे से साफ कहा कि आप इस एफओबी का क्या करेंगे और कैसे पूरा करेंगे, इस सबकी पूरी विस्तृत जानकारी 48 घंटे के भीतर कोर्ट में प्रस्तुत करें।

आईएसआई के मंसूबों पर फिरा पानी, पंजाब के बठिंडा में 3 आतंकी गिरफ्तार, गोला-बारूद भी बरामद

बठिंडा (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आता है। सीमा पार से घुसपैठ की लगातार कोशिश करता है। साथ ही भारत में रहने वाले कुछ लोगों को भी भारत विरोधी कार्यों के लिए उकसाते रहता है। हालांकि, सुरक्षा बल के जवान और सुरक्षा एजेंसियां उनकी नापाक मंसूबों पर पानी फेर देते हैं। पंजाब के बठिंडा में काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई की है।

पाकिस्तान स्थित आईएसआई नियंत्रित तीन आतंकी मॉड्यूल राजभूपिंदर सिंह, रमन कुमार और जगजीत सिंह को हथियारों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी यूएपीए के तहत संगरूर जेल में बंद तीन अन्य लोगों के संपर्क में थे और वे एक धार्मिक व्यक्ति को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। लिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि आरोपियों के पास से आठ हथियार और 30 कारतूस बरामद किए गए हैं।

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''बड़ी सफलता हासिल करते हुए बठिंडा के 'काउंटर इंटेलिजेंस' ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके आईएसआई नियंत्रित, पाक स्थित आतंकवादी मॉड्यूल से संबंध हैं। शुरुआती जांच में खुलासा हुआ कि गिरफ्तार आरोपी वर्तमान में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत संगरूर की जेल में बंद व्यक्तियों के संपर्क में थे।

यादव ने कहा, ''आरोपियों के पास से आठ हथियार, नौ मैगजीन और 30 कारतूस बरामद किए गए हैं। कैंट बठिंडा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आगे की जानकारी और आरोपियों को लेकर गहन जांच जारी है।''

लोकसभा चुनाव से पहले एक और दल की एंट्री, पूर्व डीजीपी ने बनाई अलग पार्टी

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले यूपी की राजनीति में एक और नए दल की एंट्री हुई है। उत्तर प्रदेश के तेज तर्रार और तेजी से एक्शन लेने वाले पुलिस अधिकारी के रूप में जाने जाने वाले पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान किया है। उन्होंने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि बुंदेलखंड को अलग राज्य बनाने के उद्देश्य से उन्होंने बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी का गठन किया है। जिसे जल्द ही रजिस्ट्रेशन भी कराएंगे।

पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सात और मध्य प्रदेश के आठ जिलों को मिलाकर एक अलग राज्य बुंदेलखंड की मांग है। उन्होंने विस्तार से बताते हुए कहा कि बुंदेलखंड राज्य में 15 जिले होंगे। सुलखान सिंह ने कहा कि वह अकेले ही बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी बनकर बुंदेलखंड के अलग राज्य को बनाने को लेकर अलख जगायेंगे। राजनीतिक दलों पर आरोप लगाते हुए कहा महत्वाकांक्षा छोटे राज्य बनने से रोक रही हैं।

उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ताधारियों की हनक की वजह से बड़े-बड़े आंदोलन फीके पड़ जाते हैं फिर पिछड़े बुंदेलखंड के लोग किसी आंदोलन को लंबे समय तक चलने में कैसे समर्थ हो सकते हैं? डीजीपी ने कहा कि दोनों राज्य के 15 जनपदों में बंटे बुंदेलखंड क्षेत्र को गांव-गांव जाकर जनसंपर्क अभियान चलाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड राज्य को लेकर यहां के निवासियों में जागरूकता और जन भावना विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने इस दौरान लोगों से अपील भी की।

सुलखान सिंह यूपी कैडर 1980 बैच के आईपीएस अफसर

पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह यूपी के ही बांदा के निवासी हैं। सुलखान सिंह का जन्म 8 सितंबर 1957 को हुआ। सुलखान की शुरुआती शिक्षा बजरंग इंटर कॉलेज में हुई। उन्होंने आईआईटी रुड़की से सिविल इंजीनियरिंग की है। सुलखान ने लॉ भी किया है। सुलखान सिंह यूपी कैडर 1980 बैच के आईपीएस अफसर हैं।

प्रधानमंत्री को पनौती कहना अशोभनीय

श्रीकंचनपथ

राहुल गांधी एक बार फिर अपनी जुबान के कारण बुरा फंसे हैं। राहुल को समझना चाहिए कि वो पान ठेले पर खड़े होकर बातें नहीं कर रहे हैं। वो कोई आम आदमी नहीं हैं। खुद उनके बारे में भी छत्तीसगढ़ के गली-कूचों में लोग यही कहते हैं। दरअसल, राहुल बड़े तो हुए पर उनका बचपना नहीं गया। वह अब भी नुक्कड़ पर खड़ा वही अलसाया-बेकार-बेरोजगार युवक है जिसका एकमात्र काम दिन भर बातें बनाना है। माना कि भारत जोड़ो यात्रा से वह लोगों के दिल की बातों को सुनने और समझने लगे हैं पर इन बातों और भावनाओं का करना क्या है, यह उन्हें भाजपा से सीखना चाहिए। चाहे तो वो संघ के बौद्धिक सत्रों में जा सकते हैं। वहां सबका स्वागत है। बहुत सारी काम की बातें सीख जाएंगे। सयाना आदमी स्थान-काल-परिस्थिति को देखकर बातें करता है। जहां बात समझ में नहीं आती, वहां चुप रहता है। राहुल से किसने कहा था कि आम आदमी की भावनाओं को जुबान देने की जिम्मेदारी उनकी है। जब से भारत विश्वकप हारा है, तभी से टीम इंडिया के साथ-साथ पीएम की सोशल मीडिया पर जमकर धुनाई हो रही है। भाजपा सोशल मीडिया का तो कुछ बिगाड़ नहीं सकती। कभी उसने खुद इसका जमकर अच्छा-बुरा इस्तेमाल किया है। पर चुनावी सभा में पीएम को पनौती कहना कांग्रेस के सांसद को भारी पड़ सकता है। उनके और उनके परिवार के खिलाफ नफरत की आग में यह बेलागपन घी का काम कर सकता है। बहरहाल, कहते हैं हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। विश्वकप फायनल में करारी हार को लेकर टीम इंडिया को भले ही उस समय लोगों ने कुछ नहीं कहा पर उसके बाद से इस पर मजेदार टिप्पणियां आ रही हैं। कोई कह रहा है कि ऑस्ट्रेलिया को एक मैच में हराकर टीम इंडिया खुद को फन्नेखां समझ बैठी थी। कोई कह रहा है कि जब-जब भाजपा के प्रधानमंत्री रहे हैं, टीम इंडिया विश्वकप हारती रही है। 1975 में शुरू हुए आईसीसी विश्व कप के प्रत्येक संस्करण में भारत ने क्वालिफाई किया है। 1983 और 2011 में उसने विश्वकप जीता। 2003 और 2023 में वह उपविजेता रहा। अब लोग कह रहे हैं कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि 2003 और 2023 में केन्द्र में भाजपा की सरकार थी। वैसे, सच तो यह है कि टीम इंडिया तब भी हारती रही है जब केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी। पर मीम्स बनाने वालों का मुंह कौन पकड़े। अब एक और होनहार एक नया ही फंडा लेकर आया है। नया फंडा बताता है कि भारत ने जब-जब विश्वकप जीता है, उसके बाद के चुनाव में देश का प्रधानमंत्री बदल गया है। 1983 और 2011 के बाद के लोकसभा चुनाव परिणाम इसकी पुष्टि करते हैं। अब चूंकि 2024 में भी मोदी सरकार को बने रहना है इसलिए टीम इंडिया की हार जरूरी थी। टीम इंडिया हो या प्लेन इंडिया, टैलेंट की कोई कमी नहीं है जी।

संपादकीय

पराली पर सख्ती

राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण की समस्या को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता न सिर्फ सराहनीय है, बल्कि कुछ राज्य सरकारों की उदासीनता को देखते हुए यह अनिवार्य भी बन गई है। खासकर पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं और उसके दुष्प्रभावों पर लंबे विमर्श व हिदायतों का खास असर न होता देख सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पंजाब सरकार से कुछ सख्त सवाल किए। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि जो लोग पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे, उन पर अतिरिक्त जुर्माना क्यों नहीं लगाया जा रहा और अन्य आर्थिक लाभों से वंचित करने का विकल्प उनके विरुद्ध क्यों नहीं आजमाया जा रहा? अदालत ने छोटे व गरीब किसानों से सहानुभूति जताते हुए राज्य सरकार से साफ-साफ कहा कि उन्हें वित्तीय मदद पहुंचाना राज्य का काम है। जाहिर है, पंजाब सरकार अब तक इस मामले में किसानों को भरोसे में नहीं ले पाई है, जिसका खामियाजा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ता है। दरअसल, हमारे देश में राजनीतिक प्रदूषण इतना गहरा हो गया है कि इसमें जल और वायु प्रदूषण जैसी जानलेवा स्थितियां भी एक-दूसरे पर तोहमत मढ़ने का विषय बनने लगी हैं। जिस मानवीय समस्या का सर्वमान्य निदान संबंधित सरकारों को आपस में मिल-बैठकर निकालना चाहिए, उसे वे दलीय चश्मे से देखे जा रही हैं और आम शहरी का सांस लेना दूभर हो चला है। पहले दिल्ली सरकार पंजाब और हरियाणा पर आरोप लगाती थी कि वहां पराली जलाने से राजधानी में वायु गुणवत्ता बिगड़ी है, मगर जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, उसका नजरिया बदल गया है। अदालत ने इस पहलू पर भी टिप्पणी की है। इसमें कोई दोराय नहीं कि पंजाब और हरियाणा ने हरित क्रांति में अहम भूमिका निभाई, देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में यहां के किसानों का बड़ा योगदान है। मगर इसका आर्थिक लाभ उन्हें भी मिला है। इसलिए, चंद किसानों को लोगों की सेहत से खिलवाड़ की छूट नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का निहितार्थ यही है। पंजाब के किसानों के हित में यही है कि वे अपनी फसल प्राथमिकताओं पर नए सिरे से गौर करें। राज्य में धान उत्पादन पर अधिक जोर देने का साफ-साफ असर भूजल-स्तर पर दिखने लगा है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट की यह चिंता भी वाजिब है कि यदि वहां की जमीन में नमी की मात्रा कमजोर पड़ती गई, तो इसका नतीजा भयानक हो सकता है। न्यायमूर्ति एस के कौल ने तो पंजाब सरकार के साथ-साथ अन्य राज्य सरकारों को भी यह सलाह दी है कि वे अपने-अपने सूबे के किसानों को पर्यावरण एवं जल की स्थानीय उपलब्धता के अनुरूप फसलें चुनने को प्रेरित करें। केंद्र-राज्य सरकारों और राजनीतिक दलों को अब एक ऐसी संस्कृति विकसित करनी ही होगी, जिसमें नागरिकों के स्वास्थ्य की कीमत पर राजनीति की कोई गुंजाइश न हो। मुनासिब यही होगा कि सुप्रीम कोर्ट की चिंताओं और हिदायतों के आलोक में पंजाब सरकार पराली जलाने वालों के खिलाफ त्वरित कदम उठाए। जिन छोटे किसानों को वित्तीय मदद की दरकार है, उनके लिए स्थानीय तंत्र को अधिक संवेदनशील बनाए। केंद्र से आर्थिक सहूलियतें हासिल करने के लिए भी सरकारों में एक-दूसरे पर कुछ भरोसा होना चाहिए। केंद्र व पंजाब समेत दिल्ली से लगे अन्य राज्यों की सरकारें भी एनसीआर के लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं!

> “ पहले दिल्ली सरकार पंजाब और हरियाणा पर आरोप लगाती थी कि वहां पराली जलाने से राजधानी में वायु गुणवत्ता बिगड़ी है, मगर जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, उसका नजरिया बदल गया है। अदालत ने इस पहलू पर भी टिप्पणी की है।

सिकुड़ती सामाजिक सुरक्षाएं

भारत सरकार के पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) से सामने आया यह आंकड़ा चिंताजनक है कि देश की श्रमशक्ति में 2022-23 में सिर्फ 21 प्रतिशत ऐसे कर्मचारी थे, जिन्हें नियमित तनख्वाह मिलती हो। 2019-20 में यह संख्या 23 प्रतिशत थी। यानी तीन साल में स्थायी नौकरी वाले कर्मचारियों की संख्या दो प्रतिशत गिर गई। इस सर्वे से सामने आया चिंता का दूसरा पहलू यह है कि इन कर्मचारियों के बीच सिर्फ 46 प्रतिशत ऐसे हैं, जिन्हें सामाजिक सुरक्षाएं मिली हुई हैं। सामाजिक सुरक्षाओं से तात्पर्य पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व लाभ और ग्रैच्युटी है। 2018-19 में नियमित तनख्वाह वाले 49 प्रतिशत कर्मचारियों को ऐसी सुविधाएं मिली हुई थीं। ये आंकड़े देश की कैसी तस्वीर पेश करते हैं, इसे समझने के लिए हमें इनको बड़े संदर्भ में देखना चाहिए। भारत में श्रम शक्ति उम्र वर्ग (15 से 60 वर्ष) में तकरीबन 95 करोड़ लोग हैं। लेकिन श्रम शक्ति में (यानी वे लोग जिन्हें रोजगार मिला हुआ है या रोजगार की तलाश में हैं) इस उम्र वर्ग के 45-46 प्रतिशत लोग हैं।

यानी लगभग 45 करोड़। उनके बीच 21 प्रतिशत- यानी साढ़े आठ करोड़ लोगों को नियमित तनख्वाह वाला काम मिला हुआ है। उनके 46 प्रतिशत यानी तकरीबन साढ़े चार करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षाएं हासिल हैं। बाकी लोग या तो पारिवारिक सहायता (अगर परिवार सक्षम हो तो) निर्भर हैं, या फिर भगवान भरोसे हैं। जिस दौर में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सेवाओं का लगातार निजीकरण होता गया हो- यानी जब ये सेवाएं मुनाफा प्रेरित सेवाओं में तब्दील हो गई हों और परिवहन लगातार महंगा होता जा रहा हो, आम शख्स की माली हालत का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। ये उसी दौर की कहानी है, जब भारत दुनिया में, जैसाकि बताया जाता है, कथित तौर पर सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है और कुछ वर्षों के अंदर ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। ये उपलब्धियां अपनी जगह गर्व की बात हो सकती हैं। लेकिन यह मुद्दा लगातार प्रासंगिक है कि अगर ये सफलताएं आम जन की जिंदगी को अधिक सुरक्षित और संपन्न नहीं बनाती हैं, तो फिर इनका कितना महत्त्व रह जाएगा?

बड़े अवसर पर विफल

यह तो बहुत साफ है कि भारतीय क्रिकेटर अपना कुदरती खेल नहीं दिखा पाए। क्रिकेट विशेषज्ञों ने इस विफलता के लिए स्लो पिच को दोषी ठहराया है, जिस पर पहले बल्लेबाजी करना मुश्किल साबित हुआ। लेकिन यह पहलू नाकामी का बहाना नहीं हो सकता।

क्रिकेट विश्व कप टूर्नामेंट वैसे भी भारत में बड़ा अवसर होता है, लेकिन इस बार चूंकि आरंभ से ही इसके साथ एक दूसरे प्रयोजन के भी जुड़े होने का संकेत था, इसलिए यह मौका सामान्य से अधिक महत्त्वपूर्ण था। यह संयोग भी बना कि इस मौके पर भारतीय टीम क्लिक करती नजर आई। उसने सेमीफाइनल तक के अपने सभी आरंभिक दस मैच जीत लिए। इससे भारत के क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदें आसमान पर पहुंचीं और दूसरा प्रयोजन भी परवान चढ़ता हुआ दिखा। यह प्रयोजन विकसित भारत के उस कथानक से जुड़ा हुआ था, जिसके बारें चर्चा है कि अगले आम चुनाव में वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुख्य नैरेटिव होगा। यानी रविवार को भारत विश्व विजेता बन जाता तो, यह सफलता सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, जी-20 की सफल मेजबानी, चंद्रयान और गगनयान जैसी मिसालों की श्रेणी में शामिल हो जाती। अहमदाबाद के नरेंद्र दामोदार दास मोदी स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के कप्तान रोहित शर्मा को ट्रॉफी सौंपते और उस तस्वीर का दूसरे प्रयोजन से संबंधित प्रचार अभियान में एक खास स्थान बन जाता।

मगर भारतीय क्रिकेटर करोड़ों देश वासियों की उम्मीदों के साथ-साथ दूसरे प्रयोजन से संबंधित आकांक्षाओं का बोझ ढोने में डगमगा गए। यह तो बहुत साफ था कि वे अपना कुदरती खेल इस बड़े मौके पर नहीं दिखा पाए। क्रिकेट विशेषज्ञों ने इस विफलता के लिए स्लो पिच को दोषी ठहराया है, जिस पर पहले बल्लेबाजी करना मुश्किल साबित हुआ।

> “ हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में कीरतपुर-मनाली फोर लेन पर सुरंग निर्माण में साल 2015 में हादसा हुआ था। तब सुरंग ज्यादा लंबी नहीं खुदी थी। दो मजदूरों को नौ दिन बाद सुरक्षित निकाल लिया गया था, वहां पर बचाव के लिए वर्टिकल सुरंग बनानी पड़ी थी। ऐसी ही कोशिश फिर करने की चर्चा है, पर यहां पहाड़ की मोटाई ज्यादा है, इसलिए परेशानी आ रही है।

सिलक्यारा सुरंग हादसे से हम सीखेंगे

जगदीश मोहनोत, खनन एवं सुरंग वैज्ञानिक

उत्तराखंड का सिलक्यारा सुरंग हादसा सबकी चिंता की वजह बना हुआ है। सुरंग आगे की ओर जहां खोदी जा रही होती है, वहां हादसे की आशंका रहती है, पर यह हादसा खोदी जा रही जगह से डेढ़ सौ या दो सौ मीटर पहले हुआ है। पूरी सुरंग करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबी होगी और अभी केवल यह 400 मीटर तक खोदी गई है। सुरंग जब खोदी जाती है, तो लोहे और कंक्रीट की मदद से उसे पुख्ता किया जाता है, ताकि धसकने की शिकायत न आए। पहली नजर में तो ऐसा लगता है कि आगे सुरंग खोदी जा रही थी, पर पीछे धसकने की शिकायत सामने आई है। मतलब, पीछे सुरंग को पुख्ता करने में कुछ चूक हुई है।

गौर करने की बात है कि जहां सुरंग धसकी है, वहां तीन महीने पहले खुदाई हुई थी। ऐसा होना नहीं चाहिए था। सुरंग खोदने के बाद जब उसे सपोर्ट देकर ठोस किया जाता है, तब तीन दिन में निर्माण मुकम्मल होता है, पर सिलक्यारा में जो सपोर्ट दिया जा रहा था, वह मुकम्मल नहीं था। चूंकि बीच सुरंग में कभी धसकने की स्थिति नहीं बनती है, इसलिए सुरंग में आगे की ओर काम हो रहा था और पीछे ऐसा लगता है कि धसकने वाली जगह पर सपोर्ट सुधार के लिए काम हो रहा था। सुधार में जो लोग लगे थे, वे तो बाहर निकल आए, पर आगे जो 41 मजदूर काम कर रहे थे, उनके लिए लौटने की राह बंद हो गई। अब बीच सुरंग में जो मलबा या चट्टानें या लोहे-कंक्रीट का सपोर्ट सिस्टम गिरा है, वह करीब 70-80 मीटर तक फैला है, तो उसमें छेद करना मुश्किल हो गया है। मशीनें भी नाकाम हो जा रही हैं। विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है और तमाम संभावनाओं पर काम हो रहा है। मजदूरों को निकालने में कुछ और समय लग सकता है।

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में कीरतपुर-मनाली फोर लेन पर सुरंग निर्माण में साल 2015 में हादसा हुआ था। तब सुरंग ज्यादा लंबी नहीं खुदी थी। दो मजदूरों को नौ दिन बाद सुरक्षित निकाल लिया गया था, वहां पर बचाव के लिए वर्टिकल सुरंग बनानी पड़ी थी। ऐसी ही कोशिश फिर करने की चर्चा है, पर यहां पहाड़ की मोटाई ज्यादा है, इसलिए परेशानी आ रही है। सुरंग खोदते समय पर्याप्त सुरक्षा और सपोर्ट के साथ ही आगे काम होना चाहिए। सुरंग निर्माण को 100 साल के लिए डिजाइन किया जाता है, मगर यहां तीन महीने में ही यह नौबत आई है, तो पड़ताल जरूर होगी।

बचाव की बात करें, तो सुरंग से जोड़कर ही समानांतर सुरंग अगर अंग्रेजी के डी अक्षर के आकार की बनाई जाए, तो मजदूरों तक पहुंचा जा सकता है। सुरंग के

आसपास की चट्टानें वैसे ही कमजोर होती हैं, तो वहां एक छोटी सुरंग बनाने में आसानी हो सकती है। वहां स्थानीय स्तर पर क्या परेशानी हो रही है, यह स्पष्ट रूप से मुझे नहीं पता, पर शायद समानांतर छोटी सुरंग के विकल्प पर भी बचाव कार्य में लगे इंजीनियर विचार कर रहे होंगे।

आमतौर पर आगे जब मजदूर काम कर रहे होते हैं, तो उनके पास कोई विशेष सुविधा नहीं होती है, यह तो सौभाग्य की बात है कि एक पाइप डली हुई है, जिसकी मदद से मजदूर सुरंग में रह पा रहे हैं। इस पाइप के जरिये उनसे भोजन, ऑक्सीजन और संवाद संभव हो पा रहा है। एक नई पाइप भी डली है, जिससे मजदूरों के साथ वीडियो संवाद भी संभव हुआ है।

यह समझ लेना चाहिए कि यह विरल हादसा है। सुरंगों के निर्माण से बचा नहीं जा सकता। सुरंग अब तरक्की की बुनियाद हैं। देश में तमाम परियोजनाओं के तहत सैकड़ों सुरंगों का निर्माण हो रहा है। विकास के लिए सुरंगों से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। पहाड़ों में ही नहीं, शहरों में भी अब ज्यादातर बुनियादी ढांचा विकास कार्य जमीन के अंदर ही हो रहा है।

ध्यान रहे, तीन किलोमीटर से ज्यादा लंबी जब कोई सुरंग बनती है, तो उसके समानांतर एक और सुरंग बनानी पड़ती है और सिलक्यारा में भी ऐसा ही होना था, पर लगता है कि दूसरी सुरंग का काम शुरू नहीं हुआ है। दो समानांतर सुरंगें बचाव को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं। प्रति तीन सौ मीटर के बाद क्रॉस कट दिया जाता है। मतलब दोनों सुरंगों को एक अन्य सुरंग के जरिये जोड़ा जाता है। श्रीनगर हाईवे पर पटनी टॉप में निर्मित भारत की सबसे लंबी सुरंग (नौ किलोमीटर लंबी) में भी ऐसा ही किया गया है। वहां तो सुरंग के ऊपर एक किलोमीटर तक मोटा पहाड़ भी है। यह सुरंग चालू हो चुकी है। जितनी भी लंबी सुरंगें बन रही हैं, उनमें बचाव के लिए भी सुरंगें बनाई गई हैं। भारत में तमाम सुरंगों में सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया गया है। आगे भयभीत होने जैसी कोई बात नहीं है।

हमारे देश में सुरंग अभियांत्रिकी पचास साल से भी ज्यादा पुरानी है। आजादी के पहले से ही सुरंगों पर देश में काम होता रहा है। यह हमारे लिए कतई नई विद्या या विधा नहीं है। हां, अब समय आ गया है कि हम कुछ मूलभूत सुधार कर लें। अभी अपने देश में श्रम मंत्रालय के अधीन 'डायरेक्टर जनरल ऑफ माइन सेफ्टी' (डीजीएमएस) तो है, पर अब हमें 'डायरेक्टर जनरल ऑफ टनल सेफ्टी' (डीजीटीएस) भी बना लेना चाहिए। देश में सुरंग का काम बहुत बढ़ गया है, कईकंपनियां इनके निर्माण में उतर आई हैं, तो निगरानी जरूरी हो गई है। श्रम मंत्रालय के अधीन डीजीटीएस बनाना चाहिए, ताकि सुरंग निर्माण के सुरक्षित मानकों की पालना सुनिश्चित हो सके। यह सुरंग सुरक्षा के ज्यादा पुख्ता नियम-कायदे तय करने और नियामक गठित करने का समय है। देखिए, देश में खदानों में खूब काम हो रहा है, पर दुर्घटनाएं घट गई हैं, क्योंकि डीजीएमएस का भय है। ऐसा ही भय सुरंग निर्माण क्षेत्र में होना चाहिए, तभी काम निरापद और अच्छा होगा।

एक और बात, सुरंग परियोजनाओं की योजना बनाने तक ही नहीं, आगे भी वैज्ञानिकों को साथ रखना चाहिए, ताकि योजनाओं का सही अनुपालन हो सके। केवल समस्या के समय वैज्ञानिकों को आगे कर देना पर्याप्त नहीं है। विशेषज्ञों की पूरी भागीदारी होनी चाहिए। जहां भी कुछ कमियां हैं, उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है, तभी हम सिलक्यारा जैसे हादसों से बच पाएंगे।

(लेखक केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान, रुड़की के प्रमुख हैं)

सामाजिक विषमता मापने के जरूरी तरीके हमें चाहिए

प्रमित भट्टाचार्य, वरिष्ठ पत्रकार

बीते कुछ वर्षों में भारत के कई राज्यों ने जातियों व उप-जातियों का विस्तृत आंकड़ा इकट्ठा किया है। इस महीने की शुरुआत में बिहार ने तो अपनी जाति-सर्वेक्षण रिपोर्ट विधानसभा में भी पेश कर दी, और इस तरह के आंकड़े सार्वजनिक रूप से जारी करने वाला पहला राज्य बन गया है। इसमें संख्याओं को लेकर बेशक कुछ शिकायतें मिलीं, लेकिन सभी राजनीतिक दलों ने इसे स्वीकार भी किया और बिहार आरक्षण विधेयक को विधानसभा से सर्वसम्मति से स्वीकृति भी मिल गई। जब देश का एक गरीब सूबा अपने यहां जाति-सर्वेक्षण कर सकता है, तो अन्य राज्यों या केंद्र को ऐसी कवायद से कौन रोकता है? राष्ट्रव्यापी जाति-गणना से बचने के पीछे तीन कारण प्रमुख लगते हैं- जाति को वैध बनाने का डर, निहित स्वार्थ और आंकड़ों की विश्वसनीयता संबंधी चिंताएं।

दरअसल, 19वीं सदी में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा की गई जाति-गणना के पीछे एक बड़ी वजह थी, मूल आबादी में विभिन्न सामाजिक समूहों की हैसियत तय करना। राष्ट्रवादियों की नजर में यह देश के भीतर विभाजन पैदा करने का ब्रिटिश प्रयास था। उस गणना को जातियों की गलत गिनती के लिए भी आलोचना का सामना करना पड़ा। देश की आजादी के बाद अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को छोड़कर बाकी तमाम जाति विवरणों को जनगणना के सवाल से बाहर कर दिया गया। राष्ट्र-निर्माण के शुरुआती वर्षों में जाति को संभवत: पुरानी सामाजिक संरचना के रूप में देखा जाता था, इसीलिए उसे खत्म करना जरूरी समझा गया। जाति समूहों की आधिकारिक स्वीकृति का अर्थ था, एक सामाजिक बुराई को वैध बनाने का जोखिम उठाना। 1950 के दशक में काका कालेलकर के नेतृत्व में गठित पहला पिछड़ा वर्ग आयोग ऐसी चिंताओं के कारण जाति-आधारित कोटा पर सर्वसम्मति बनाने में विफल रहा।

नतीजतन, इसे खत्म करने के प्रयासों के बावजूद 21वीं सदी के भारत में जातियां कायम हैं।

जाति-आधारित गणना के विरोध का दूसरा कारण निहित स्वार्थ है। सवर्ण जातियों को डर है कि इससे आरक्षण का दायरा बढ़ाया जा सकता है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सबल जातियों की चिंता है कि उप-जातियों पर सामाजिक-आर्थिक डाटा उनके व निचले ओबीसी तबकों के बीच की खाई को उजागर कर देगा। वहीं, ओबीसी में शामिल होने को इच्छुक कुछ अगड़ी जाति-समूह मानते हैं, ऐसे आंकड़े उनके पिछड़ेपन के दावों को कमजोर कर सकते हैं। तीसरी चिंता आंकड़ों की शुचिता की है। जनगणना अधिकारी जाति विवरण के काम से इसलिए भागना चाहते हैं, क्योंकि उनकी नजर में इससे जनगणना के काम प्रभावित हो सकते हैं। क्या होगा यदि ताकतवर उप-जातियां सरकारी उदारता में ज्यादा हिस्सेदारी की मांग करने के लिए अपनी संख्या बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर दें? क्या होगा यदि जनगणना करने वाले कर्मचारी समूह प्रभावित करने लगें? ऐसी गणना करने वाले राष्ट्रों की विफलता को देखते हुए ये चिंताएं निराधार नहीं हैं।

पूर्व जनगणना अधिकारी बी के रॉय बर्मन ने 1998 के अपने लेख में यह चेतावनी दी थी कि एक व्यापक जाति गणना विभिन्न जातियों को एक समूह में जोड़ने या एक जाति को अलग-अलग हिस्सों में बांटने की मांग हो सकती है। उन्होंने जाति विवरण पाने के लिए जनगणना कार्यालय को फील्ड स्टडी करने का सुझाव दिया था। 1961 की जनगणना में ऐसा किया गया था, जिसका नेतृत्व बर्मन ने खुद किया था। उनके मुताबिक, उस वक्त वैधानिक जनगणना आंकड़ों के अलावा, जाति विवरण जुटाने के लिए गांवों व शादियों का अनधिकृत सर्वेक्षण भी किया गया। इसका फायदा मिला। अभी हो रही जाति गणना की चर्चा के निहितार्थ काफी हद तक चुनावी हैं। इसमें ऐसी गणना की प्रक्रिया पर उतना ध्यान नहीं दिया जा रहा, जितना दिया जाना चाहिए। जबकि, 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना होमवर्क की कमी के कारण जाति-वार विवरण देने में विफल रही थी। लिहाजा, अगली गणना तभी कारगर होगी, जब इस तरह की कवायद को शुरू करने से पहले इससे जुड़े तमाम मुद्दों पर गहन चर्चा की जाए। अच्छा होगा कि बर्मन के सुझावों पर गौर किया जाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सुरंगों के संजाल से जख्मी हिमालय

जयसिंह रावत

पौराणिक नगरी जोशीमठ के धंसने के कारण तपोवन-विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना की सुरंग के चर्चा में आने के बाद चारधाम ऑल वेदर सड़क परियोजना की उत्तरकाशी स्थित सिलक्यारा परियोजना की सुरंग सुर्खियों में है। सुरंग के एक हिस्से के धंसने से वहां फंसे 41 मजदूरों की जान संकट में पड़ने के बाद एक बार फिर विश्व की सबसे युवा पर्वतमाला हिमालय में सुरंगों के निर्माण पर सवाल भी उठने लगे हैं। दरअसल, सुरंगों सहित भूमिगत निर्माण में इस तरह के हादसे नई बात नहीं है। अब तो सुरंगों के धंसने और निर्माणाधीन सुरंगों के ऊपर बसी बस्तियों के धंसने की शिकायतें आम हो गयी हैं। सड़क परिवहन, राजमार्ग और जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार उत्तराखंड के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में इस वक्त पौने तीन लाख करोड़ रुपये की लागत की टनल बनाई जा रही हैं।

इसमें दो राय नहीं कि विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों वाले हिमालयी क्षेत्र की जनता को विकास भी चाहिए, तभी उनकी जिन्दगी की परेशानियां कम होंगी और बेहतर जीवन सुलभ होगा। हिमालयवासियों के लिए सड़कें भी चाहिए तो बिजली-पानी और अन्य आधुनिक सुविधाएं भी। लेकिन पहाड़ों पर सड़कें बनाना तो आसान है, मगर उन सड़कों के निर्माण से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटना उतना आसान नहीं है। तेज ढलान के कारण पन बिजली उत्पादन के लिए हिमालयी क्षेत्रों को सबसे अनुकूल माना जाता है। इसीलिये नीति-नियन्ताओं और योजनाकारों की नजर हिमालय पर पड़ी है। पन बिजली पैदा करने के लिए ग्रेविटी या ढलान की आवश्यकता होती है। मकसद यही कि तेज धार या पानी की भौतिक ऊर्जा से पावर हाउस की टरबाइन चल सकें और फिर बिजली का उत्पादन हो सके। इसके लिए पहाड़ों से बहने वाली नदियां ही सबसे माकूल हैं। इन नदियों का वेग और भौतिक ऊर्जा बढ़ाने के लिए पानी को तेज ढलान वाली सुरंगों से गुजारा जाता है जिसके लिए पहाड़ी क्षेत्र ही सबसे अनुकूल होते हैं। मैदानी क्षेत्र में पानी के लिए इतनी ढाल या ग्रेविटी के लिए बहुत बड़ा क्षेत्र डुबोना होता है। इसलिये अब तक जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक पन बिजली के लिए योजनाकारों ने हिमालयी क्षेत्र को चिन्हित कर रखा है।

हिमालय पर सुरंगों का निर्माण शुरू से चर्चा का विषय रहा है। हिमालय के गर्भ को छलनी करने का समर्थन तो पर्यावरणविद? कर नहीं सकते मगर भूविज्ञानी भी इसमें संयम की सलाह अवश्य देते हैं। वर्तमान में हिमालय पर केवल बिजली परियोजनाओं के लिए नहीं बल्कि यातायात और अन्य गतिविधियों के लिए भी सुरंगों का निर्माण हो रहा है। पहले भूमिगत बिजलीघर बने, लेकिन अब तो पहाड़ी नगरों में ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए भूमिगत पार्किंग भी बनने लगी हैं।

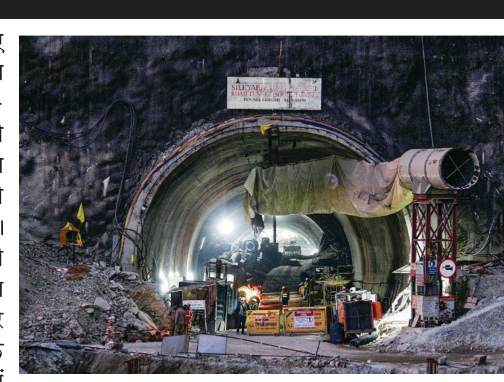

राज्य गठन से पहले ही अकेले उत्तराखंड में चारधाम ऑल वेदर रोड और ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सुरंगों के अलावा लगभग 750 किमी लम्बी सुरंगें विभन्न चरणों में थीं।

एनटीपीसी की लगभग 12 किमी लम्बी सुरंग को जोशीमठ के धंसने के लिए पर्यावरणविद् जिम्मेदार मानते रहे हैं। जोशीमठ के ही सामने चाईं गांव के धसने के लिए 300 मेगावाट की विष्णुप्रयाग परियोजना की 13 किमी लम्बी सुरंग पर उंगलियां उठती रही हैं। पेशे से इंजीनियर रहे भारत के दूरदृष्टा सिंचाई और ऊर्जा मंत्री रहे के.एल. राव द्वारा देश के जल संसाधनों का सन् 60 के दशक में व्यापक सर्वेक्षण कराया गया था। उसी सर्वेक्षण के आधार पर भाखड़ा नंगल बांध से लेकर टिहरी बांध जैसी परियोजनाएं शुरू हुई थीं। उसी के आधार पर चिन्हित परियोजनाएं आज विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें कुछ हरित प्राधिकरण द्वारा रोकी भी गयी हैं। इनमें लगभग कुल 750 किमी लम्बी सुरंगें विभिन्न चरणों में हैं।

वाडिया इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के पूर्व निदेशक एनएस विरदी और एक अन्य भू-वैज्ञानिक एके महाजन के एक शोधपत्र के मुताबिक अकेले गंगा बेसिन की प्रस्तावित और निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए 150 किमी लंबी सुरंगें खुद रही हैं या खोदी जा चुकी हैं। प्रस्तावित परियोजनाओं में से विष्णुप्रयाग प्रोजेक्ट पर 12 किमी सुरंग चल रही है। भागीरथी पर बनने वाली परियोजनाओं में लोहारी नागपाला 13.6 किमी, पाला मनेरी 8.7 किमी व मनेरी भाली द्वितीय में 15.40 किमी लंबी सुरंग शामिल हैं। मनेरी भाली प्रथम में पहले ही 9 किमी लंबी सुरंग काम कर रही है।

पन बिजली की इन सुरंगों के अलावा ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर 105.47 किमी लम्बी 17 मुख्य सुरंगें बन रही हैं और 98.54 किमी लम्बी स्केप टनल सहित कुल 218 किमी लम्बी सुरंगें विभिन्न चरणों में हैं। दरअसल किसी भी परियोजना में केवल मुख्य सुरंग का ही उल्लेख आता है। जबकि उस मुख्य सुरंग को खोदने और उसका मलबा बाहर निकलने के लिए भी सुरंगें बनानी होती हैं, जिन्हें एडिट भी कहा जाता है। इसी प्रकार चारधाम आल वेदर रोड के लिए भी कुछ सुरंगें बन रही हैं, जिनके निर्माण के लिए भी अन्य सुरंगें बन रही हैं। इसलिये सवाल उठना लाजिमी है कि अगर हिमालय के कच्चे पहाड़ अन्दर से इस तरह छलनी कर दिये जायेंगे तो उसका पर्यावरणीय और अन्य व्यावहारिक असर क्या होगा।

ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सुरंगों के निर्माण में भारी विस्फोटकों के कारण टिहरी, पौड़ी और रुद्रप्रयाग जिलों की कुछ बस्तियों में न केवल मकानों में दरारें आ गयीं बल्कि यहां स्थित सारी गांव में भवन तक ढह गये। अगर भविष्य में इस परियोजना को बदरीनाथ और केदारनाथ तक विस्तार देने का प्रयास होता है तो निश्चित तौर पर इतनी ऊंचाई तक रेल लाइन पहाड़ों के अन्दर ही बनायी जा सकती हैं।

क्षेत्र की विशिष्ट भूगर्भीय, भौगोलिक और पर्यावरणीय विशेषताओं के कारण हिमालय में सुरंग निर्माण से कई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। दरअसल, हिमालय जटिल भूगर्भीय संरचनाओं वाला एक भूकंपीय दृष्टि से सक्रिय क्षेत्र है, जिसमें विभिन्न प्रकार की चट्टानें, भ्रंश रेखाएं और अस्थिर भूभाग शामिल हैं। यहां कठिन चट्टानों, भूस्खलन और भूगर्भीय अस्थिरता के कारण सुरंग बनाने के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं। निर्माण कार्य प्राय: अधिक ऊंचाई पर कठिन होता है। कम तापमान, ऑक्सीजन की कमी और कठिन पहुंच जैसी चुनौतियां निर्माण को कठिन बनाती हैं। कठोर चट्टानों में सुरंग बनाने, पानी के प्रवेश का प्रबंधन करने, वेंटिलेशन सुनिश्चित करने और खड़ी चट्टानों में स्थिरता बनाए रखने के लिए उन्नत इंजीनियरिंग तकनीकों और विशेष उपकरणों की आवश्यकता होती है। हिमालय में भूगर्भीय निर्माण गतिविधियां नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक प्रभाव डाल सकती हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मतगणना कार्य के लिए चार जिलों का प्रशिक्षण

सुकमा। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन - 2023 के तहत 3 दिसंबर होने वाले मतगणना कार्य के लिए चार जिलों बस्तर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर का प्रशिक्षण जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में दिया गया। राज्य निर्वाचन कार्यालय से पहुंचे मास्टर ट्रेनर के द्वारा मतगणना के पूर्व तैयारी, मानव संसाधन व आवश्यक संसाधन की व्यवस्था, डाक मतपत्र की गणना, ईव्हीएम मशीन से मतगणना की व्यवस्था, मतगणना साफ्टवेयर, इंडेक्स कार्ड भरने की व्यवस्था जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। मतगणना दिवस के लिए स्ट्रांग रूम और मतगणना कक्ष में की जाने वाली नियमों का पालन की विस्तृत जानकारी दी गई। डाक मतपत्र की गणना, कंट्रोल यूनिट का गणना की संपूर्ण प्रक्रिया को समझाया गया। इस प्रशिक्षण पर सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी हितेश बघेल प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर रूपेश वर्मा, रश्मि वर्मा, सुनील शर्मा सहित चारों जिलों के उप जिला निर्वाचन अधिकारी,सभी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, सुरक्षा के लिए पुलिस अधिकारी, एनआईसी के सूचना अधिकारी और जिलों के प्रशिक्षक भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने मतगणना ड्यूटी के लिए अधिकारियों का बैठक लिया

सारंगढ़ बिलाईगढ। कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मतगणना के ड्यूटी के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर डॉ. सिद्दीकी ने सभी अधिकारियों के ड्यूटी के संबंध में चर्चा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर निष्ठा पांडेय तिवारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश भारद्वाज, रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मोनिका वर्मा, डॉ. स्निग्धा तिवारी, परियोजना निदेशक पंचायत (डीआरडीए) हरिशंकर चौहान, बीईओ बरमकेला नरेश चौहान, सीईओ संजू पटेल, प्रज्ञा यादव, योगेश्वरी बर्मन, एसडीओ पीडब्ल्यूडी पीसी कुर्रे, सांख्यिकी अधिकारी एस.सी सिंह, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कमल कंवर, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं तहसीलदार नेत्रप्रभा सिदार, आयुष तिवारी, कमलेश सिदार, कोमल साहू, शनिकुमार पैंकरा, बंदेराम भगत, अरपन कुर्रे, देवराज सिदार, अविनाश सिदार, कुंजबिहारी गहरे, एनआईसी के आशीष वर्मा आदि उपस्थित थे।

जिले में रेल सुविधाओं की कमी, कटौती करने में पीछे नहीं

कोरबा। जिले में रेल सुविधाओं की कमी हमेशा से बनी रही है। यात्री सुविधाओं में भी रेलवे कटौती करने में पीछे नहीं है। सेकेंड एंट्री के विस्तार के लिए एक साल पहले रेलवे की एक संयुक्त सर्वे टीम कोरबा आई थी, लेकिन प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो सकी। टीम ने डंपिंग यार्ड के पहले जगह चिन्हांकित किया है। यहां पर यात्री सुविधाएं बढ़ाने की योजना है, लेकिन यहां अब भवन की बजाए टीन के शेड वाली टिकट घर में काउंटर शुरू किया गया है। रेलवे स्टेशन कोरबा में लंबे समय बाद सेकंड एंट्री शुरू की गई है, लेकिन सुविधाएं अब भी बदहाल है। यहां सुविधाओं की कमी की वजह से यात्रियों में नाराजगी है। प्रबंधन ने सेकेंड एंट्री का विस्तार को लेकर एक साल पहले योजना बनाई थी। रेलवे के इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, कमर्शियल सहित अन्य विभागों की एक संयुक्त टीम को कोरबा पहुंची थी।

कैट ने सिनियर सिटीजन को मिलने वाली सुविधाओं को पुन: बहाल करनें की मांग की

रेल्वे के रायपुर मंडल में यात्री गाडियों के लेटलतीफी एवं निरस्त होने के कारण व्यापारियों एवं आम जनता को हो रही परेशानीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कैट ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव , को दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के रायपुर मंडल में यात्री गाडियों के लेटलतीफी एवं निरस्त होने के कारण व्यापारियों एवं आम जनता को हो रही परेशानियों के लिए एवं सिनियर सिटीजन को मिलने वाली सुविधाओं को पुनः बहाल करनें की मांग हेतु पत्र जारी कर व्यवस्था को दुरूस्त करने का आग्रह किया। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने बताया की वर्तमान समय में दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के रायपुर मंडल छत्तीसगढ में यात्री गाडियों के लेटलतीफी एवं निरस्त होने के मामले अत्यधिक हो रहे है। अभी शादी का सीजन शुरू हो गया है। जिसके लिए व्यापारियों को खरीदारी करने हेतु अन्य शहरों मे जाना पडता है। यात्री गाडियों के लेटलतीफ एवं निरस्त होने के कारण आम जनता एवं व्यापारियों को बहुत अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिससे कि उनके समय एवं व्यापार पर दुष्प्रभाव पडता है। सभी ट्रेनों को समय पर चलाना और समय पर पहुंचाना भारतीय रेल की जिम्मेदारी है।

कैट के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष परमानन्द जैन एवं प्रदेश महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह ने बताया कि हर दिन लाखों यात्री रेल में सफर कर अपने गंतव्य स्थान तक पंहुचते है। इसमें बड़ी संख्या में सीनियर सिटीजन भी शामिल होते है। भारतीय रेल्वे ने दशको से वरिष्ठ जनों एवं अन्य वर्गो के लोगों हेतु रियायत सुविधाओं का शुभारंभ किया था। तथा रेल्वे यात्रा के दौरान संबधित पात्रता के दस्तावेज प्रस्तुत करने पर रियायत मिलती थी। विगत करोना के संक्रमण काल में रेल्वे प्रशासन ने उपरोक्त सुविधाओं को बंद कर दिया है।

जो आज पर्यन्त तक बंद है। जिससे कि रेल यात्रा में सिनियर सिटीजन को असुविधा हो रही है। सिनियर सिटीजन को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सिनियर सिटीजन को मिलने वाली सुविधाओं का पुनः बहाल किया जाना चाहिए।

कंतकाबी के लेखन और कविता में स्वतंत्रता संग्राम की झलक - राज्यपाल हरिचंदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन अपने ओड़िशा प्रवास के दौरान गत दिवस कटक में फतुरानंद स्मृति समारोह और कंतकाबी पुरस्कार समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरिचंदन ने अपने उद्बोधन में कंतकाबी की बहुमुखी प्रतिभा पर प्रकाश डाला और कहा कि उनकी कविताओं और उनके सभी लेखों में स्वतंत्रता संग्राम की झलक है।

उनके लेखन ने आम लोगों में ब्रिटिश के विरुद्ध क्रांति की भावना प्रज्वलित कर दी। श्री हरिचंदन ने कहा कि श्री कंतकाबी के लेखन और कविता ने आम लोगों के मन में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए एक हथियार के रूप में काम किया। ओडिशा के राज्य संगीत के रूप में उनके द्वारा रचित संगीत ''बनंदा उत्काला जननी'' ने हर ओडिशा वासी के दिल को आंदोलित किया है। महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित होकर कंतकाबी ने स्कूल छोड़ दिया और स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गये और जेल गये। स्वतंत्रता संग्राम में वे अकेले नहीं थे, बल्कि उनका पूरा परिवार भी शामिल था। उनकी रचनाओं में क्रांति के अलावा व्यंग्य, हास्य, करुणा और गंभीरता का समावेश है। उन्होंने साहित्य के हर पहलू में कहानियाँ, कविताएँ, उपन्यास, नाटक आदि की रचना करके रूढ़िवादी साहित्य को समृद्ध किया। राज्यपाल ने कहा कि कंतकाबी का जीवन हमेशा देश की मुक्ति और आम लोगों की भलाई के लिए समर्पित था।

हास्य विकास केंद्र कटक, फतुरानंद के स्मृति समारोह के अवसर पर राज्यपाल श्री हरिचंदन ने ओडिशा के प्रसिद्ध हास्य लेखक फतुरानंद को याद किया। फतुरानंद की रचनाएँ व्यंग्य और हास्य से भरपूर थीं।

ऐसी रचनाएँ समाज को सुधारने के साथ-साथ समाज को स्वस्थ रखने में भी सहायक होती हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने लेखक विजयानंद सिंह की पुस्तक ''अतीत और अस्मिता'' का विमोचन किया ।

कार्यक्रम में राज्यपाल के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में बिपिन बिहारी मिश्र शामिल हुए। राज्यपाल ने उन्हें कंटकबी पुरस्कार से नवाजा। कार्यक्रम में गौहरि दास मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैरिस्टर अधिवक्ता गिरिजानंद नायक ने की, जबकि स्वागत भाषण लेखक विजयानंद सिंह ने दिया। इस अवसर पर उड़ीसा के कवि, लेखक, साहित्यकार, नाटककार एवं प्रबुद्ध जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 16 दिसंबर को

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर निर्देशानुसार इस वर्ष का अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन दिनांक 16 दिसंबर 2023 को आयोजित किया जाएगा। इसी अनुक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालोद के अध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा पचैरी के मार्गदर्शन में जिला एवं सत्र न्यायालय बालोद एवं जिले के तहसीलों में स्थित व्यवहार न्यायालय डौण्डीलोहारा, गुण्डरदेही एवं दल्लीराजहरा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों का निराकरण वर्चुवल एवं फिजिकल मोड के माध्यम से किया जाएगा। इस नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय एवं तालुका न्यायालय (व्यवहार न्यायालय) में लंबित शमनीय अपराध के प्रकरण मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित प्रकरण, धारा 138 एनआई एक्ट के अंतर्गत चेक बाउंस प्रकरण, धारा 125 दंड प्रक्रिया संहिता तथा मेट्रोमोनियल डिस्प्युट के अलावा जलकर, संपत्तिकर, सिविल प्रकरण, ट्रैफिक चालान, भाडा नियंत्रण, आबकारी से संबंधित प्रकरण एवं दूरसंचार विभाग, नगर पालिका में वसूली संबंधी प्रकरण, बैंक रिकवरी प्रकरण, विद्युत सबंधी प्री-लिटिगेशन प्रकरण एवं राजस्व न्यायालय खंडपीठों में खातेदारों के मध्य आपसी बंटवारे, वारिसों के मध्य बटवारें, कब्जे के आधार पर बटवारा, नेशनल लोक अदालत के माध्यम से निराकृत किया जाएगा।

3 दिसंबर को फिर शुरू होगी छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा - अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने आज यहां भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्य के सभी मतदाताओं विशेष तौर पर भारी उत्साह के साथ जबर्दस्त मतदान के लिए महिलाओं, किसानों, युवाओं, मजदूरों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि स्पष्ट बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बन रही है।

छत्तीसगढ़ की जनता ने विकास, सुशासन, लोक कल्याण के लिए भाजपा के पक्ष में जनादेश दिया है। छत्तीसगढ़ की जनता भ्रष्टाचार से मुक्ति पाने आतुर है और उसने कांग्रेस की भ्रष्टतम सरकार के खिलाफ अपना फैसला सुरक्षित कर दिया है। 3 दिसंबर को आने वाला परिणाम हमारे विश्वास की पुष्टि कर देगा। भारतीय जनता पार्टी व्यवस्था परिवर्तन के लिए, राज्य के विकास के लिए दिए गए आशीर्वाद हेतु जनता जनार्दन की हृदय से आभारी है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि भाजपा मातृशक्ति को साष्टांग प्रणाम करते हुए चुनाव के दौरान कांग्रेस और उसके एजेंट के तौर पर काम करने वाले प्रशासन के उन अधिकारियों की भी आभारी है, जिन्होंने महतारी वंदन योजना का विरोध किया। राज्य की महिलाओं के हित की योजना को महिलाओं तक पहुंचने में बाधक बने। भाजपा के कार्यकर्ता तमाम बाधाएं पार करते हुए हर घर तक पहुंचे और महिलाओं को भरोसा दिलाने में शत प्रतिशत सफल रहे कि सरकार बनते ही महतारी वंदन योजना शुरू हो जाएगी और सभी विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की निधि उन्हें ससम्मान मिलने लगेगी। पिछले चुनाव में महिलाओं से 5 सौ रुपये महीना देने का वादा करने वाली कांग्रेस ने महिलाओं के अपमान में कोई कमी बाकी नहीं रखी। भाजपा ने मोदी जी की गारंटी के तहत महिला वंदन योजना का संकल्प लिया है और मातृशक्ति का विश्वास अर्जित किया है। मतदान में महिलाओं की उत्साहपूर्वक भागीदारी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि महतारी की वंदना करने वाली भाजपा को महिलाओं ने अपना शुभाशीष प्रदान कर दिया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि हमने सरकार बनते ही सभी आवासहीन 18 लाख परिवारों को पक्का मकान देने की मोदी गारंटी दी है। कैबिनेट की पहली बैठक में ही इसके लिए राशि जारी कर दी जाएगी। हमने युवाओं को न्याय दिलाने और पीएससी घोटाला करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने का वचन दिया है, वह सरकार बनते ही पूरा किया जाएगा। हमने किसानों को दो साल का बकाया बोनस एकमुश्त देने की मोदी गारंटी दी है। 25 दिसंबर को यह राशि किसानों के खाते में पहुंच जाएगी। हम 31 सौ रुपये क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीद करेंगे। 3 दिसंबर को किसानों का मान बढाने भाजपा सरकार बनने का किसान इंतजार कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की जनता के हर वर्ग के लोग भाजपा के विजय संकल्प के साथ परिवर्तन के रथ पर सवार हुए हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि दिसंबर का महीना छत्तीसगढ़ में विकास की तेज गति से आगे बढ़ने और लोक कल्याण की योजनाओं के आरंभ का ऐतिहासिक माह होगा। छत्तीसगढ़ 3 दिसंबर को कांग्रेस रूपी ग्रहण से मुक्त होगा। 5 साल से अवरुद्ध छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा इसी तारीख से आरंभ हो जाएगी। उन्होंने भाजपा के कार्यकर्ताओं को उनके जीवट और लोकतंत्र के उत्थान में सम्पूर्ण समर्पण के साथ संघर्ष के लिए कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारे कार्यकर्ता हर अत्याचार का मुकाबला करते हुए आगे बढ़े।

फिटनेस जांच के लिए भारी वाहनों की बेतरतीब पार्किंग, बढ़ी लोगों की परेशानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा शहर में जिला परिवहन विभाग के कार्यालय के सामने तहसील रोड पर भारी वाहनों की बेतरतीब ढंग से पार्किंग कराई जा रही है। बताता जा रहा हैं की ऐसा फिटनेस जांच के लिए भारी वाहनों की बेतरतीब पार्किंग हो रही हैं।

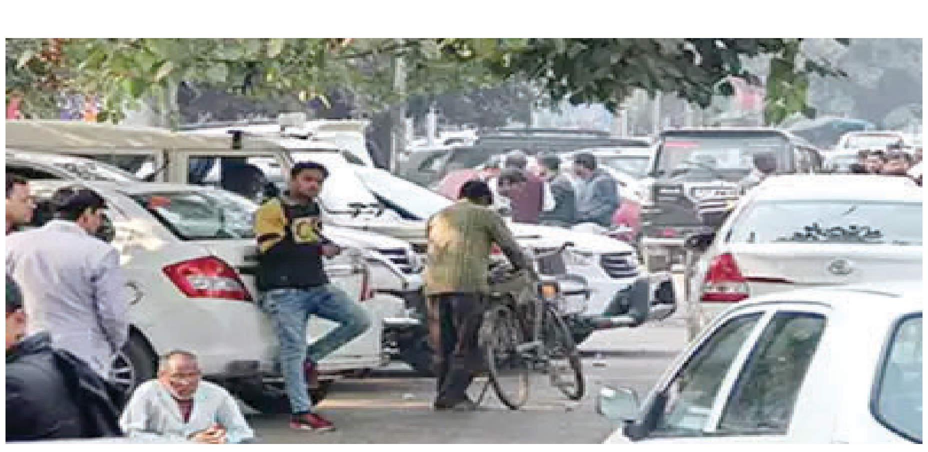

ड्राइविंग टेस्ट व फिटनेस जांच के लिए विभागीय मैदान नहीं होने के कारण कार्यालय के सामने ही रोड पर भारी वाहनों को खड़े कराए जा रहे हैं। जिसके कारण स्थल में सुबह से शाम तक भारी वाहनों की लंबी कतारे लगी रहती हैं। रोड का आधे से ज्यादा हिस्सा भारी वाहनों से घिर जाता है बाकी बचे हिस्से पर दूसरे वाहनों व राहगीरों की आवाजाही हो रही हैं। इसलिए तहसील से लेकर परिवहन विभाग के कार्यालय तक रोड पर हर समय जाम लगा रहता है।

राहगीर बड़ी मुश्किल से आवाजाही कर पाते हैं। तहसील के आसपास दो बड़े निजी स्कूल भी स्थित हैं। दोपहर में दोनों स्कूल में छुट्टी होने के बाद बच्चों को लेकर घर जा रहे परिजन बेतरतीब खड़े भारी वाहनों के कारण परेशान होते हैं।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

झीरम कांड: कांग्रेस का भाजपा पर हमला, आखिर किसे बचाना चाहती है केन्द्र सरकार, अब मिलेगा न्याय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। झीरम नक्सली हमले केस में सुप्रीम कोर्ट की ओर से एनआईए की याचिका खारिज किए जाने पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने भाजपा पर चौतरफा हमला किया है। एक ओर जहां कांग्रेस पार्टी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से गदगद है और वहीं दूसरी ओर भाजपा पर जमकर हमला किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा ने मंगलवार को राजीव भवन में पत्रवार्ता लेकर बीजेपी पर जमकर बरसे।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले 25 मई 2013 छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर कथित नक्सली हमला हुआ था। इस हमले में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, बस्तर टाइगर कहे जाने वाले महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, पूर्व विधायक उदय मुदलियार सहित कुल 32 लोग दिवंगत हुए थे। यह लोकतंत्र के इतिहास का सबसे बड़ा राजनीतिक हत्याकांड था।

एनआईए ने नहीं की सही जांच

प्रेसवार्ता के दौरान विनोद वर्मा ने कहा कि इस हत्याकांड की जांच कर रही एजेंसी एनआईए ने इस घटना की जांच की थी, लेकिन एजेंसी ने यह जांच नहीं की थी कि इस हत्याकांड का षड्यंत्र किसने रचा था। यह सिर्फ नक्सली हमला था या इसके पीछे राजनीतिक षड्यंत्र भी था? छत्तीसगढ़ की पुलिस ने आपराधिक षडयंत्र की जांच शुरू की तो एनआईए ने अदालती अडंगा लगा दिया। पहले वे ट्रायल कोर्ट में गए, वहां उनकी याचिका खारिज हुई फिर हाईकोर्ट में खारिज हुई। इसके बाद एनआईए सुप्रीम कोर्ट में गई। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी याचिका खारिज कर दी है। कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करती है। हम मानते हैं कि इस फैसले से दिवगंतों के परिजनों को न्याय मिलने का रास्ता खुल गया है।

केन्द्र की एजेंसी पर उठाए सवाल

उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस 26 मई 2020 को दर्ज दूसरे एफआईआर के आधार पर यह जांच कर पाएगी कि किसके कहने पर, किसे बचाने के लिए केंद्र सरकार की एजेंसी एनआईए जांच का रास्ता रोक रही थी? हमारा सवाल है कि तत्कालीन भाजपा सरकार ने आपराधिक षड्यंत्र की जांच क्यों नहीं करवाई? आयोग बनाया तो उसके दायरे में षड्यंत्र क्यों नहीं रखा?

बीजेपी के नेताओं पर सवालिया निशान

2014 में एनआईए ने पहला चालान प्रस्तुत किया। फिर 2015 में दूसरा चालान पेश किया गया। इन दोनों चालान में नक्सली संगठन के प्रमुख कर्ताधर्ता गणपति और रमन्ना के नाम नहीं डाले गए। तथ्य यह है इससे पहले जांच के दौरान एनआईए ने इन दोनों नेताओं को भगोड़ा भी घोषित किया था और संपत्ति कुर्क करने की नोटिस भी निकाली थी। एनआईए ने अपने चालान में कह दिया कि झीरम का षडयंत्र दंडकारण्य जोनल कमेटी ने रचा था। जो थोड़ा बहुत भी नक्सली संगठन और उसके ढांचे को समझते हैं वो बता सकते हैं कि इतना बड़ा षडयंत्र शीर्ष नेतृत्व के बिना नहीं रचा जा सकता। कांग्रेस पार्टी ने जब विधानसभा में यह सवाल उठाया और हंगामा हुआ तो तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह ने झीरम हत्याकांड की सीबीआई जांच करवाने की घोषणा की। रमन सरकार ने सीबीआई जांच को नोटिफाई कर दिया और केंद्र को पत्र भेज दिया गया पर दिसंबर 2016 में केंद्र की सरकार ने राज्य के सीबीआई जांच के अनुरोध को ठुकरा दिया और कह दिया कि एनआईए जांच ही पर्याप्त है। चकित करने वाली बात है कि रमन सिंह ने दिसंबर 2018 तक छत्तीसगढ़ की जनता से यह बात छिपाए रखी। मार्च 2017 में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन अध्यक्ष भूपेश बघेल ने रमन सिंह को सीबीआई जांच के संबंध में एक पत्र लिखा उसका भी कोई जवाब नहीं आया। जब राज्य में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार बनी तब कहीं जाकर पता चला कि सीबीआई जांच से तो केंद्र की सरकार ने इंकार कर दिया है। तब जाकर छत्तीसगढ़ पुलिस ने नई एफआईआर दर्ज की लेकिन एनआईए इस मामले को अदालत तक ले गई।

आयोग पर भी अड़ंगा

विनोद वर्मा ने कहा कि रमन सिंह सरकार ने एक जांच आयोग बनाया था। कांग्रेस की सरकार ने महसूस किया कि आयोग की जांच का दायरा पर्याप्त नहीं है तब जस्टिस प्रशांत मिश्रा आयोग के कार्यकाल और जांच के दायरे को आगे बढ़ाया। चूंकि जस्टिस मिश्रा तब तक उपलब्ध नहीं थे इसलिए नई नियुक्ति की गई, लेकिन तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता धरम लाल कौशिक ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई और राज्य सरकार के इस फैसले को चुनौती दी। अब ये मामला अदालत में लंबित है। पत्रकार वार्ता में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेन्द्र तिवारी, वरिष्ठ प्रवक्ता आरपी सिंह, धनंजय सिंह ठाकुर, सुरेन्द्र वर्मा, आयुष पांडेय, प्रवक्ता अजय गंगवानी, सत्यप्रकाश सिंह उपस्थित थे।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

2013 में 6-7 मई को बस्तर जिले में रमन सिंह की विकास यात्रा निकली। उसके लिए 1781 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। उसी बस्तर में 24-25 मई को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा निकली तो मात्र 138 सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए। सुरक्षा के पर्याप्त कदम भी नहीं उठाए गए। महेंद्र कर्मा ने जनवरी, 2013 में अपनी सुरक्षा बढ़ाने का पत्र लिखा था, लेकिन उस पर रमन सिंह सरकार ने ध्यान नहीं दिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि केंद्र की भाजपा सरकार क्यों नहीं चाहती कि व्यापक राजनीतिक षडयंत्र की जांच हो? क्यों रमन सिंह सरकार ने यह जांच नहीं करवाई? क्यों उन्होंने सीबीआई जांच की बात छिपाए रखी? क्यों भाजपा नेता धरम लाल कौशिक कोर्ट गए?

आरडीए की दुकानें फ्री होल्ड पर उपलब्ध 30 नवंबर तक चुकाना है कर्ज

रायपुर (ए)। आरडीए (रायपुर विकास प्राधिकरण) इस महीने के आखिर यानी 30 नवंबर तक पूरी तरह से कर्ज मुक्त होना चाहता है। इसके तहत पिछले दिनों प्लाट बिक्री के बाद आरडीए द्वारा शहर की व्यस्ततम मार्ग की दुकानें और हाल फ्री होल्ड पर उपलब्ध कराई जा रही है।

इसके लिए निविदा भी निकाली गई है। मालूम हो कि आरडीए पर लगभग 19 करोड़ का कर्जा और बाकी है। 25 अक्टूबर और आठ नवंबर को प्लाटों की हुई बिक्री में आरडीए को लगभग 62 करोड़ से

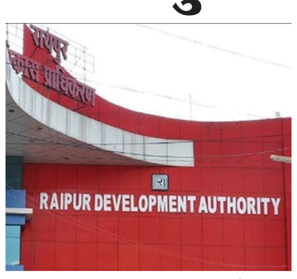

ज्यादा की राशि मिल चुकी है।

आरडीए से मिली जानकारी के अनुसार भक्त माताकर्मा परिसर न्यू राजेन्द्र नगर में 478 से 494 वर्गफुट के 11 नग दुकानें फ्री होल्ड पर ऑफसेट दर 5,500 रुपये प्रति वर्गफुट पर उपलब्ध है। इसके साथ ही डा. खूबचंद बघेल (रावांभाठा) ट्रांसपोर्ट नगर योजनांतर्गत 92 से 552 वर्गफुट की 25 नग दुकानें लीज होल्ड पर ऑफसेट दर 1,550 रुपये प्रति वर्गफुट पर उपलब्ध है।

शैलेंद्र नगर योजना में ऑफसेट दर 6,000 रुपये प्रति वर्गफुट की दर पर 229-253 वर्गफुट की 19 दुकानें लीज होल्ड पर उपलब्ध हैं। शारदा चौक योजना के अंतर्गत प्रथम तल में ऑफसेट दर 6,500 रुपये प्रति वर्गफुट की दर पर 3 नग हाल उपलब्ध हैं। बताया जा रहा है कि प्रत्येक हाल 4,430 वर्गफुट का लीज होल्ड पर उपलब्ध है।

छत्तीसगढ़ में उत्तर से हवाओं का आना शुरू, गिरेगा पारा, बढ़ेगी ठंड

रायपुर (ए)। प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने वाला है और उत्तर से ठंडी हवाओं का आना शुरू हो गया है। मौसम विभाग का कहना है कि इसके चलते बुधवार से न्यूनतम तापमान में गिरावट शुरू होगी और ठिठुरन भी बढ़ेगी। मंगलवार को प्रदेशभर में अंबिकापुर सबसे ठंडा रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस वर्ष अच्छी ठंड पड़ने की उम्मीद है।

मंगलवार को भी रायपुर सहित प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहा। सुबह-सुबह और रात में अब ठंड बढ़ने लगी है। हालांकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं हुआ है।

रायपुर के तो अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी रही। अधिकतम तापमान

सामान्य से एक डिग्री ज्यादा और न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। मौसम विज्ञानियों के अनुसार अभी ठंड में थोड़ी बढ़ोतरी होगी।

मोतीबाग चौक, पंडरी, आमापारा, टिकरापारा सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गर्म कपड़ों के स्टाल लग गए हैं और इन स्टालों में नई-नई रेंज उपलब्ध है। उपभोक्ताओं के लिए इसमें 20 फीसद तक की छूट दी जा रही है। इसके साथ ही कपड़े संस्थानों में भी गर्म कपड़ों की नई रेंज उपलब्ध है। इसे लोग काफी पसंद भी कर रहे हैं।

उद्यानों में सुबह बढ़ी लोगों की संख्या

बढ़ते स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए आजकल लोगों में जागरूकता बढ़ी है। लोग खानपान के साथ शरीर को स्वस्थ और फुर्तिला रखने के लिए तरह-तरह के जतन करते हैं। इनमें योगा, व्यायाम, जिम और जुंबा के माध्यम से सर्दियों में शरीर को फिट रख रहे हैं। यही कारण है कि शहर के सड़क, सोसायटी और उद्यानों में तड़के ही बड़ी संख्या में लोग जागिंग और वाक के लिए पहुंच रहे हैं। ठंड बढ़ने के साथ ही जिम में भी लोगों की संख्या बढ़ने लगी है।

भारत-आस्ट्रेलिया टी-20 मुकाबले की तैयारी शुरू पार्किंग और ठहरने का रूट चार्ट हो रहा तैयार

रायपुर (ए)। नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत-आस्ट्रेलिया की बीच टी-20 मैच खेला जाएगा। इसकी तैयारी भी शुरू कर दी गई। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने प्रशासन से मुलाकात कर मैच के संबंध में जानकारी दी है। प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है।

मंगलवार को एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने सभी थाना प्रभारियों की बैठक ली। उनसे आगामी मतगणना और एक दिसंबर को प्रस्तावित टी-20 मैच की तैयारी को लेकर चर्चा की। तैयारी करने कहा गया है। जानकारी के अनुसार सात सौ से ज्यादा जवानों की तैनाती रहेगी। दूसरे जिले से

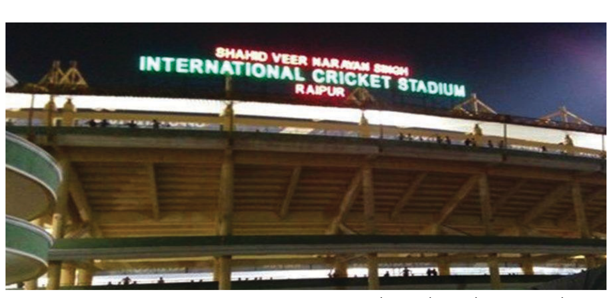

अधिकारी बनाए जाएंगे। स्टेडियम की सुरक्षा और खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए अलग-अलग बल की तैनाती रहेगी।

शेड्यूल में अब भी नागपुर का नाम

बीसीसीआई ने सोमवार को भारत-आस्ट्रेलिया के बीच होने वाले मैच का शेड्यूल जारी कर दिया है। चौथे मैच की तैयारी रायपुर में भी शुरू कर दी गई। हालांकि शेड्यूल के अनुसार मैच नागपुर में ही बताया गया है। जानकारी के अनुसार वहां निर्माण कार्य चल रहा है। रायपुर स्टेडियम को रिजर्व में रखने की बात सामने आ रही है। अगर नागपुर स्टेडियम का काम पूरा नहीं होता है तो यहां मैच होगा।

होटल से लेकर स्टेडियम तक कड़ी सुरक्षा

दोनों देशों के खिलाड़ियों को नवा रायपुर के किसी होटल में ठहराया जा सकता है। होटल से लेकर क्रिकेट स्टेडियम तक सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था होगी। इसके अलावा क्रिकेट स्टेडियम के आस-पास भी बल तैनात किया जाएगा। एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने मंगलवार को इस संबंध में पुलिस अफसरों की बैठक ली। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। कुछ अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की गई है।

देव उठनी एकादशी की तैयारी में जुटे ग्रामीण, फूल अर्पित किए गए

रायपुर (ए)। दिवाली के बाद गौरी गौरा त्योहार और देव उठनी छोटी दिवाली मनाने की तैयारी ग्रामीण कर रहे हैं। खेती किसानी के साथ ही वे त्योहार की तैयारी में जुट गए हैं। बीती रात गौरी गौरा स्थापना हेतु फूल अर्पण करने की रस्म की गई। गौरी गौरा की चुलमाटी बुधवार को निकलेगी वहीं शुक्रवार को बारात निकलेगी। ग्रामीण बड़े उत्साह और उमंग के साथ इस त्योहार मनाते हैं। तिल्दा नेवरा और आस पास के गांवों में देवउठनी पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। शाम होते ही गौरा चौरा में महिलाएं और लड़कियां द्वारा सुआ नृत्य और भोजली गीत गाया जा रहा है।

सबसे बड़ा दान है अभयदान: प्रवीण ऋषि

रायपुर (ए)। जिन्होंने परमात्मा को हर सांस में जिया, जिन्होंने परमात्मा के ऐश्वर्य को अपने जीवन में पाया, ऐसे सुधर्मा स्वामी ने महावीर का वो स्वरुप, जो इन्द्रियों से नहीं देखा जा सकता है, उन्हें पुच्छिंसुणं में अपने शब्दों में दिखाया है। लालगंगा पटवा भवन में उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि के मुखारविंद से धर्मप्रेमी पुच्छिंसुणं की आराधना का लाभ ले रहे हैं। उक्ताशय की जानकारी रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने दी।

सोमवार को पुच्छिंसुणं (वीर स्तुति) आराधना के 7वें दिवस धर्मसभा को संबोधित करते हुए उपाध्याय प्रवर ने कहा कि किसी को श्रेष्ठ कहना हो तो दूसरे को नीचा नहीं दिखाना चाहिए। हमें सुधर्मा स्वामी से सीखना चाहिए कि किसी की प्रशंसा करनी हो तो जरुरी नहीं है कि दूसरे व्यक्ति को नीचा दिखाएं। सुधर्मा स्वामी कहते हैं कि परमात्मा हाथियों में ऐरावत के समान हैं। उन्होंने बाकी पुण्यात्माओं के अस्तित्व को स्वीकार किया, परमात्मा ऐरावत हैं,

सीहो मियाणं सलिलाण गंगा

उपाध्याय प्रवर ने कहा की कोई खरगोश बनकर चर्चा करता है, कोई बाघ बनकर, लेकिन महावीर सिंह बनकर चर्चा करते हैं। सिंह कभी दूसरे के शिकार पर हाथ नहीं डालता है, वह स्वअर्जित पर ही जीता है। इसलिए प्रभु महावीर हों या कोई भी तीर्थंकर हो वे अपने पूर्व तीर्थंकर के संघ में दीक्षा नहीं लेते। भगवान पार्श्वनाथ का संघ था, परंपरा थी, संघ में कई प्रकार के ज्ञानी थे, लेकिन प्रभु महावीर ने वहां दीक्षा नहीं ली। अगर वहां दीक्षा लेते तो भगवान पार्श्वनाथ की परंपरा को मानना पड़ता, उसका अनुसरण करना पड़ता। लेकिन कोई तीर्थंकर अनुयायी नहीं होता है। जो अनुयायी बन गया वो तीर्थंकर नहीं बन सकता। तीर्थंकर कभी किसी का अनुसरण नहीं करते हैं। सुधर्मा स्वामी ने महावीर को सिंह कहा है, बिना सिंह बने कोई समाज का नेतृत्व नहीं कर सकता। सिंह निडर होता है, और महावीर को किसी का भय नहीं है।

और बाकी हाथी हैं। ऐरावत हाथी सफेद होता है, चतुर्दंत होता है, उसकी अपनी गरिमा है। निर्वाण की चर्चा सभी धर्मों में है। निर्वाण का अर्थ यहां शांति दिया गया है। और निर्वाण का जो तत्त्वज्ञान देते हैं उन्हें निर्वाण के वादी कहते हैं। निर्वाण सबको चाहिए, केवल सुख में संतुष्ट नहीं है। इसलिए संत पूछते हैं सुख-शांति में हैं? जीवन में सुख के साथ शांति भी चाहिए, और इसकी चर्चा सभी करते हैं। लेकिन महावीर इसकी चर्चा कैसे करते हैं? सुधर्मा स्वामी बताते हैं कि बाकी लोग शांति की चर्चा हाथियों के समान करते हैं, लेकिन महावीर ऐरावत के समान करते हैं।

सलिलाण गंगा:- सुधर्मा स्वामी ने नदियों में गंगा नदी का जिक्र किया है, और किसी नहीं का जिक्र क्यों नहीं किया? गंगा का उद्गम छोटा सा है, लेकिन वह विशाल है। गंगा नदी में सामर्थ्य है सबको अपने में समाने का। वो सबको अपने में समाते चली जाती है। जो व्यक्ति दूसरों को गले लगाता है वह पवित्रतम हो जाता है। गंगा में समाकर नाले का पानी भी पवित्र हो जाता है। परमात्मा किसी से मिलने नहीं गए, लेकिन जो उनसे मिलने आया उसे शुद्ध कर दिया, वह उनका होकर रह गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

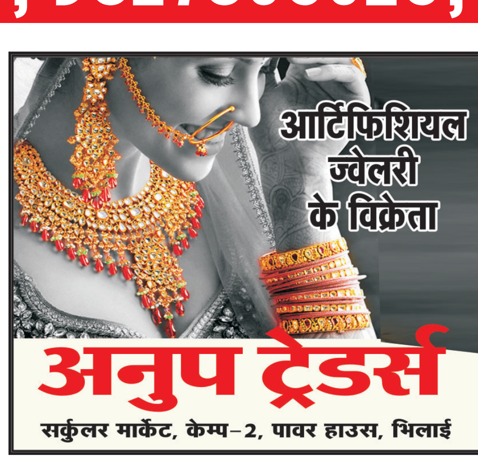

दूध पीने का सही वक्त क्या है? जब शरीर को मिलता है फायदा वरना हो जाएंगे गैस-एसिडिटी का शिकार

दूध पीने से शरीर को यह फायदा मिलता है, बच्चों की हाइट बढ़ती है यह आपने अक्सर बड़े-बुजुर्ग के मुंह से सुना होगा। दूध पीना शरीर के लिए काफी अच्छा होता है। यह सभी बातें हम अक्सर सुन लेते हैं। कई लोग सुबह खाली पेट दूध पीना पसंद करते हैं तो कुछ लोग शाम में दूध पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इसके पीने का परफेक्ट टाइमिंग।

रात या सुबह दूध किस वक्त पीना चाहिए?:- हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक शरीर की बनावट और उम्र के हिसाब से दूध पीना चाहिए। कुछ लोगों के लिए सुबह के वक्त दूध पीना फायदेमंद हो सकता है वहीं कुछ लोगों के लिए रात का समय सही रहता है। डॉक्टर्स के मुताबिक दूध किसी भी समय पीजिए यह शरीर को फायदा ही पहुंचाता है। अगर आपको पेट से जुड़ी कोई दिक्कत है तो दूध पीने का समय बदल लीजिए। नहीं तो इससे आपकी तकलीफ और भी बढ़ जाएगी। 5 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों को सुबह खाली पेट दूध नहीं पीना चाहिए।

इन लोगों को दिन के वक्त दूध पीना चाहिए:- जो लोग बॉडी बनाने के लिए दूध पीते हैं उन्हें दिन के वक्त दूध पीना चाहिए। अगर ऐसे लोग दिन में दूध पीते हैं तो उन्हें पूरे दिन एनर्जी मिलती है। बच्चों को सुबह के वक्त क्रीम से भरपूर दूध पीना चाहिए। इसमें कैल्शियम काफी ज्यादा होती है। और हड्डी भी मजबूत होती है। दूध पीने से शरीर में पोटेशियम, मैग्नीशियम और प्रोटीन भरपूर मात्रा में मिलती है।

कमजोर मेटाबॉलिज्म वालों को दिन में दूध नहीं पीना चाहिए:- बुजुर्गों की फिजिकल एक्टिवीटी काफी कम होती है उन्हें दिन के वक्त दूध नहीं पीना चाहिए। बूढ़े- बुजुर्ग को गाय के दूध पीना चाहिए क्योंकि यह काफी हल्का होता है। यह आसानी से पच जाता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद है दूध पीना:-अगर आप दूध नहीं पीते हैं तो शरीर में कैल्शियम की कमी होने लगती है। दूध में कैल्शियम के साथ-साथ थाइमिन और हड्डी को मजबूत करने की क्षमता होती है। अगर आपको गैस-एसिडिटी की समस्या है तो दूध में शक्कर मिलाकर पिएं।

सिंघम अगेन से अजय देवगन की पहली झलक आई सामने

अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म से कई सेलेब्स के लुक सामने आ चुके हैं और अजय देवगन का फिल्म से लुक सामने आ गया है। अजय देवगन के लुक का फैंस को इंतजार था। आज ये इंतजार खत्म हो गया है और रोहित शेट्टी ने अजय देवगन का फर्स्ट लुक शेयर कर दिया है। रोहित शेट्टी ने अजय देवगन का लुक शेयर करते हुए लिखा- शेर आतंक मचाता है और जख्मी शेर तबाही। सबका फेवरेट पुलिसवाला। बाजीराव सिंघम वापस आ गया है। सिंघम अगेन। अजय देवगन का सिंघम अगेन से पहला लुक देखने के बाद फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। वह रोहित शेट्टी के पोस्ट पर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- सुपर सर। साथ में फायर इमोजी पोस्ट की। वहीं दूसरे ने लिखा- अब इंतजार नहीं हो रहा है।

सिंघम अगेन को रोहित शेट्टी ने डायरेक्ट किया है। ये सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। अजय देवगन बाजीराव सिंघम में किरदार में नजर आएंगे। अजय के इस किरदार को हमेशा पसंद किया गया है।

अजय देवगन के अलावा करीना कपूर फिल्म में फीमेल लीड में नजर आएंगी। अजय ने हाल ही में करीना का लुक शेयर किया था। अजय ने फोटो शेयर करते हुए लिखा था- भयंकर, मजबूत और सिंघम की ताकत। अवनी सिंघम। फोटो में करीना हाथ में गन ताने नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर चोट के निशान हैं। करीना के अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ भी नजर आने वाले हैं।

सिंघम अगेन की रिलीज डेट की बात करें तो ये फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का क्लैश अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 से होगा। दोनों ही फिल्में एक-दूसरे पर भारी पड़ने वाली हैं।

फिल्म द आर्चीज का नया गाना इन राहों में जारी, अरिजीत सिंह ने दी अपनी आवाज

जोया अख्तर के निर्देशन में बनी रही फिल्म द आर्चीज शुरुआत से ही चर्चा में है। इस फिल्म के जरिए कई स्टारकिड्स जैसे- अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा, जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर और शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। सुनोह और वा वा वूम के बाद अब द आर्चीज का तीसरा गाना इन राहों में रिलीज हो चुका है। इन राहों में को अरिजीत सिंह ने अपनी जादुई आवाज दी है। इस गाने के बोल जावेद अख्तर ने लिखे हैं। द आर्चीज 7 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए एकदम तैयार है। फिल्म से सुहान, खुशी और अगस्त्य के अलावा मिहिर आहूजा, वेदांग रैना, अदिति सहगल भी बॉलीवुड में अपने सफर की शुरुआत कर रहे हैं। द आर्चीज किशोरों की लोकप्रिय कॉमिक द आर्ची पर आधारित है, जो 60 के दशक की ओर ले जाएगी।

बाथरोब पहन मलाइका अरोड़ा ने दिए सिजलिंग पोज, 50 साल की उम्र में इंटरनेट पर लगाया बोल्डनेस का तड़का

मलाइका अरोड़ा आए दिन अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर लोगों के बीच सोशल मीडिया पर काफी चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड एंड हॉट लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बाथरोब फोटोशूट से फैंस को हैरान कर दिया है। इन तस्वीरों में मलाइका किलर पोज देते हुए लोगों के होश उड़ाती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा बढ़ती उम्र के साथ-साथ और भी ज्यादा हॉट और बोल्ड होती जा रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट सिजलिंग फोटोशूट फैंस के बीच शेयर किया है। इन तस्वीरों में मलाइका अरोड़ा व्हाइट कलर का बाथरोब पहनकर सोफे में बैठे हुए एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। मलाइका अरोड़ा भले ही फिल्मों में इतना धमाल नहीं कर पाई लेकिन आए दिन अपनी डांसिग स्टाइल से फैंस के बीच तबाही मचा देती हैं। हर बार की तरह एक बार फिर से मलाइका ने अपनी अदाओं से फैंस के दिलों पर खंजर चला दिए हैं। बालों को खोलकर, आखों में सनग्लासेस और नो मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि मलाइका अरोड़ा के चाहने वालों की लिस्ट काफी लंबी है। उनकी हॉटनेस को देखकर लोग अंदाजा नहीं लगा पाते हैं कि वो 50 साल की हो चुकी हैं। आज भी एक्ट्रेस अपनी बोल्डनेस से बॉलीवुड इंडस्ट्री के स्टार किड्स को मात देती हैं। उनकी फिटनेस को देखकर लोग उनसे काफी इंस्पायर्ड भी रहते हैं।

खुशाली कुमार की स्टारफिश का ट्रेलर रिलीज

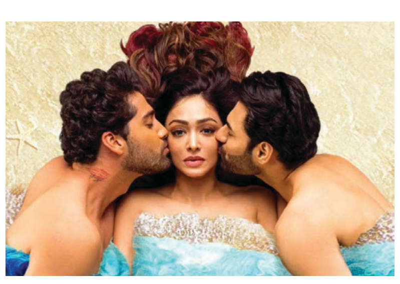

टी-सीरीज के मालिक और फिल्म निर्माता भूषण कुमार की छोटी बहन और अभिनेत्री खुशाली कुमार पिछले कुछ वक्त से अपनी आगामी फिल्म स्टारफिश को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में मिलिंद सोमन, एहान भट और तुषार खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने स्टारफिश का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसकी कहानी बीना नायक की चर्चित किताब स्टारफिश पिकल पर आधारित है। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी अखिलेश जायसवाल के कंधों पर है।

ट्रेलर में खुशाली तारा के किरदार फिल्म का मुख्य केंद्र बिंदु नजर आ रही हैं, जिससे ये साफ कहा जा सकता की इस फिल्म की पूरी कहानी उनके इर्द गिर्द घूमती है। हालांकि स्टारफिश के इस ट्रेलर से भी प्रेरित होता है कि इस फिल्म में समंदर के पानी के नीचे की रहस्यम दुनिया के पहलूओं को भी दिखाया जाएगा।

सस्पेंस और ड्रामा स्टारफिश के ट्रेलर में दिखाई दे रहा है। जिसे देखने को बाद यकीनन स्टारफिश के लिए फैंस का उत्साह बढ़ने वाला है। कुल मिलाकार कहा जाए तो स्टारफिश का ये ट्रेलर काफी रोमांचक है।

किताब स्टारफिश पिकल एक कुशल गोताखोर तारा सलगांवकर की जिंदगी के इर्द-गिर्द है। तारा अपने आसपास के सभी लोगों के लिए एक रहस्य है। फिल्म में खुशाली तारा का किरदार अदा करेंगी, जिसका एक बुरा अतीत है। स्टारफिश 24 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

बॉक्स ऑफिस पर सलमान की टाइगर 3 की पकड़ हुई ढीली

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है। इस एक्शन फिल्म के सामने बाकी बॉलीवुड फिल्मों का टिकना मुश्किल लग रहा है, जिसमें विक्रांत मैसी की 12वीं फेल और सुप्रिया पाठक की खिचड़ी 2 शामिल हैं। दिवाली के खास मौके पर सिनेमाघरों में आई टाइगर-3 को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है। टाइगर 3 की कमाई के 9वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने सोमवार को महज 6.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 236.43 करोड़ रुपये हो गया है।भारतीय बॉक्स ऑफिस पर टाइगर 3 की कमाई 250 करोड़ रुपये की ओर है तो वहीं दुनियाभर में फिल्म ने 350 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। टाइगर 3 में सलमान की जोड़ी कैटरीना कैफ के साथ बनी है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है।

बार-बार भूख लगने का क्या है कारण

हर थोड़ी थोड़ी देर में क्यों खाना खाने का करता है मन

भूख लगने पर हम सभी खाना खाते हैं। इससे शरीर को एनर्जी मिलती है। आमतौर पर एक इंसान दिन में तीन से चार बार खाना खाता है लेकिन अगर भरपेट खाना खाने के बाद भी भूख महसूस हो तो तुरंत सावधान हो जाना चाहिए। कुछ लोग इसे कमजोरी मानते हैं लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इसके कई गंभीर कारण हो सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर इसको लेकर जानकारी दी है कि आखिर बार-बार भूख लगने के क्या कारण होते हैं।

बार-बार भूख लगने के 6 कारण

प्रोटीन की कमी

न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा बताती हैं कि अगर खाने में प्रोटीन कम है तो अक्सर भूख लगती रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रोटीन ऊर्जा प्रदान कर भूख बढ़ाने वाले हार्मोंस को कंट्रोल में रखता है। ऐसे हार्मोंस को बनाता है, जो पेट भर जाने का संकेत देते हैं। प्रोटीन फूड क्रेविंग को भी कम करनेका काम करता है। ऐसे में खाने में प्रोटीन से भरपूर चीजें शामिल करनी चाहिए।

नींद पूरी न होना

नींद न पूरी हो पाने के कारण भी बार-बार भूख लग सकती है। पर्याप्त नींद न लेने पर भूख का संकेत देने वाला घ्रेलिन हार्मोन काबू में नहीं रहता है और बढ़ जाता है। इससे बार-बार भूख लगने का एहसास होता है। इसलिए ठीक तरह से पूरी नींद लेनी चाहिए।

रिफाइंड कार्ब्स के सेवन से

रिफाइंड कार्ब्स का ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी ज्यादा होता है। ऐसे में इनका ज्यादा सेवन भूख को बढ़ा देता है और जल्दी-जल्दी कुछ न कुछ खाने का मन करता है। ज्यादा रिफाइंड कार्ब्स के सेवन से मोटापा काफी तेजी से बढ़ता है।

शरीर में फाइबर की कमी

जब हमारी बॉडी में पर्याप्त मात्रा में फाइबर नहीं होता, तब बार-बार भूख का एहसास होता है। दरअसल, फाइबर से भरपूर चीजें भूख कम करने वाले हार्मोन को बनाने का काम करते हैं। इससे पेट काफी समय तक भरा महसूस होता है। ऐसे में खाने में फाइबर को ज्यादा रखना चाहिए।

ज्यादा तनाव

न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा बताती हैं कि , आज की लाइफस्टाइल ही तनाव वाली हो गई है। ज्यादा तनाव लेने से शरीर में कॉर्टिसोल नाम का हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे बार-बार भूख लगती है। ऐसे में तनाव को कम करने की कोशिश करना चाहिए।

इन बीमारियों की वजह से भी

डायबिटीज और थायरॉइड जैसी गंभीर बीमारियों में भी बार-बार भूख लगती है। दरअसल, डायबिटीज के मरीजों में ग्लूकोज सेल्स तक नहीं पहुंच पाता, जिससे एनर्जी बनने की बजाए यूरिन के रास्ते बाहर आ जाता है। ऐसे में जब शुगर हाई होता है तो बहुत ज्यादा भूख लगती है। कुछ न कुछ खाने का मन करता है। थायरॉइड हॉर्मोन बढ़ने पर भी जल्दी-जल्दी भूख लगती है।

कृति सैनन की बहन होने के फायदे के साथ नुकसान भीः नुपुर सैनन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन की बहन नुपुर सैनन ने म्यूजिक वीडियो से फिल्मी दुनिया में अपने सफर की शुरुआत की थी। हाल ही में नुपुर ने रवि तेजा की फिल्म टाइगर नागेश्वर राव के साथ तेलुगु सिनेमा में भी अपने कदम रखे हैं। अब नुपुर ने कृति और उनके एक ही इंडस्ट्री में होने पर बात की है। नुपुर मानती हैं कि उन्हें कृति की वजह से काफी फायदा हुआ है, लेकिन इसका कुछ नुकसान भी होता है।

नुपुर मानती हैं कि जिंदगी में किसी ऐसे व्यक्ति का होना अच्छा होता है, जो आपका उस जगह मार्गदर्शन कर सके, जहां आप नए हैं। उन्होंने कहा, कृति के होने से मुझे फिल्मी दुनिया को समझने में मदद मिली, क्योंकि मैं जहां से आई हूं, ये उससे बहुत अलग है। मुझे पता चला कि किससे कैसे बात करनी चाहिए और कौन कैसा है। हालांकि, दोनों बहनों के एक इंडस्ट्री से होने के फायदा और नुकसान होते हैं।

नुपुर कहती हैं, जब मैं नुकसान की बात कहती हूं तो इसका मतलब ये है कि आपको अपने नाम से पहचान बनाने में मशक्कत करनी पड़ती है। उन्होंने कहा, जब आपके परिवार में एक शख्स ने बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है तो यह मुश्किल होता है। अगर मैं बिना सैनन की पहचान के फिल्म पॉप कौन से शुरुआत करती तो लोग मुझे अलग नजर से देखते। अब लोग कहते हैं कि अरे उसमें कृति की बहन थी ना।

नुपुर अपनी बहन कृति से अलग पहचान बनाना चाहती हैं, इसलिए वह अलग विकल्प चुनकर आगे बढ़ रही हैं। नुपुर बताती हैं कि उन्होंने यही सब सोच समझकर म्यूजिक वीडियो के साथ अपने सफर की शुरुआत की थी। अभिनेत्री कहती हैं कि वह इस मुकाम को केवल अपने अलग-अलग चुने गए बेहतरीन कामों के साथ ही हासिल कर पाएंगी। मालूम हो कि नुपुर पहली बार अक्षय कुमार के साथ म्यूजिक वीडियो फिलहाल में नजर आई थीं।

नुपुर दक्षिण भारतीय सिनेमा के बाद अब बॉलीवुड में भी शुरुआत करने जा रही हैं। वह नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म नूरानी चेहरा में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग मार्च, 2022 में पूरी हो चुकी है, वहीं इसमें सोनाली सहगल, जस्सी गिल और आसिफ खान भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।यह फिल्म ड्रामे से भरपूर होगी, जिसके निर्देशन की कमान नवनियत सिंह ने संभाली है।यह फिल्म अगले साल 2 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

कृति और नुपुर के अलावा भी बॉलीवुड में कई भाई-बहन की मशहूर जोड़ियां हैं, जिन्हें लोग पसंद करते हैं। इनमें विक्की कौशल और सनी कौशल, आयुष्मान खुराना और अपारशक्ति खुराना, करीना कपूर और करिश्मा कपूर, बॉबी देओल और सनी देओल सहित कई सितारे शामिल हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

कर्ज माफी के इंतजार में किसान, बेमेतरा में धान खरीदी की रफ्तार धीमी

अब तक 80 हजार 834 क्विंटल धान की हुई खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य में कृषि प्रधान जिले के नाम से प्रसिद्ध बेमेतरा में इस वर्ष 1 से 21 नवंबर तक धान खरीदी धीमी है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह कर्जमाफी की उम्मीद है। दरअसल, विधानसभा चुनाव के दौरान कर्ममाफी की घोषणा की गई है। यहीं कारण है कि किसान अपना धान बेचने नहीं आ रहे है। कुछ किसानों ने बताया कि धान बेचने के लिए जाएंगे तो उनके कर्ज की राशि धान बेचने के साथ कट जाएगी। यहीं कारण है कि वे धान बेचने के लिए दिसंबर माह का इंतजार कर रहे है।

जिले में 21 नवंबर मंगलवार शाम 6 बजे तक 2 हजार 746 किसान ने 12 हजार 538.96 क्विंटल धान बेचा है। वहीं, एक नवंबर से लेकर 21 नवंबर तक कुल 17 हजार 29 किसान ने 80 हजार 834.64 क्विंटल धान बेच चुके है।

जिले में 1 लाख 58 हजार 529 किसान ने धान बेचने सहकारी समितियों में पंजीयन कराया हैं। पिछले साल 1 लाख 53 हज़ार किसानों ने पंजीयन कराया था, जिनका रकबा 1 लाख 83 हजार 242 हेक्टेयर था। जो बढ़कर इस साल 1 लाख 85 हजार 928 हेक्टेयर हो गया है। इस साल धान खरीदी का अनुमानित लक्ष्य 802842 मैट्रिक टन है। पिछले साल अनुमानित लक्ष्य 679187 मैट्रिक टन था। इसके साथ ही जिले मे धान खरीदी केंद्रों से धान का उठाव शुरू हो गया है। उठाव होने से अब खरीदी केंद्रों में धान रखने के लिए जगह की कमी नहीं रहेगी।

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र का किया निरीक्षण

मंगलवार को बेमेतरा कलेक्टर पीएस एल्मा ने जिले में हो रहे खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के धान खरीदी का निरीक्षण किया है। उन्होंने, खरीदी केंद्र में किए गए आवश्यक व्यवस्था, धान खरीदी की दर, पंजीकृत किसानों की संख्या, फड़ की व्यवस्था और धान खरीदी के लिए समिति में की गई तैयारी का जायजा लेकर गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली। केंद्र में संधारित की जा रही पंजी का अवलोकन किया। कलेक्टर एल्मा ने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में धान खरीदी में कोई बाधा न हो, इसके लिए सतर्क रहे। अवैध धान परिवहन पर कड़ी कार्रवाई करें। धान खरीदी के कार्य में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिले में डेंगू की स्थिति में सुधार, केवल एक मरीज का चल रहा इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जिनमें से भिलाई नगर निगम क्षेत्र व दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम के अमले द्वारा डेंगू से संबंधित नियंत्रण व रोकथाम का कार्य निरंतर किया जा रहा है। मंगलवार को डेंगू एलिजा पॉजिटिव के प्रकरण निरंक है। वर्तमान में डेंगू एलिजा पॉजिटिव 01 मरीज भर्ती है। सभी डेंगू मरीज व संभावित मरीज के निवास क्षेत्रों में घर-घर जाकर स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले द्वारा मास्किटो सोर्स रिडक्शन का कार्य दैनिक रूप से किया गया है। नगर निगम भिलाई, चरोदा रिसाली जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं नगर निगम दुर्ग की टीम के द्वारा लगातार डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में लार्वा नष्टीकरण के लिए टेमीफॉस एवं एडिस मच्छर को नष्ट करने के लिए मेलाथियॉन से फागिंग का कार्य किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेपी मेश्राम के अनुसार डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए दुर्ग, भिलाई, चरोदा, रिसाली नगर निगम जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण व शहरीय की टीम द्वारा कुल 185299 घरों का सर्वेक्षण किया जा चुका है, जांच किये कुलर पानी टंकी व अन्य कंटेनर की संख्या-210275 जिनमें से 86254 खाली कराये गये। सभी कटेनरों में 119795 स्थानों में टेमीफास डालकर लार्वा का नष्टीकरण किया गया, 181291 पाम्पलेट के माध्यम से डेंगू व मलेरिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य शिक्षा दी गई।

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, सभी नगर निगम एवं मीडिया के द्वारा लगातार लोगों से यह अपील की जा रही है कि सप्ताह में एक दिन शुष्क दिवस के रूप में मनाया जाना डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए उचित होगा।

उस दिन घर के सारे कन्टेनर जैसे कुलर, पानी टंकी व अन्य जिसमें बारिश का पानी एकत्रित हो उत्तको समतल जगह में उस पानी की निकासी की जाये। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए कारगर होगा। अपील नही मानने पर यदि किसी घर मे पहली बार लार्वा मिलता है तो नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा समझाईश दी जाएगी और दूसरी बार लार्वा मिलने पर 500 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक का अर्थदंड वसूला जाएगा। जिसकी जवाबदारी स्वयं की होगी।

खास खबर

जिले के 651 बीएलओ को शीघ्र मिलेगा निर्वाचन मानदेय

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी ने विधानसभा निर्वाचन में संलग्न जिले के 651 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का मानदेय भुगतान की कार्यवाही किया है। नियमानुसार कार्यवाही के बाद सभी बीएलओ को मानदेय उनके बैंक खाता में ऑनलाइन ट्रांसफर होगा। साथ ही सभी बीएलओ को मतदान दिवस का मानदेय 750 रूपए का भुगतान बाद में किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सभी बीएलओ ने निर्वाचन से जुड़े कार्य संबंधित क्षेत्र के घर-घर जाकर किया है। 000 (रायपुर) 2018 में भाजपा सरकार की विदाई के साथ शुरू हुई कांग्रेस की विकास यात्रा निरंतर चलेगी 0 मोदी की गारंटी और भाजपा के घोषणा पत्र पर जनता ने भरोसा नही किया 0 माता बहनों ने कांग्रेस के छत्तीसगढ़ गृह लक्ष्मी योजना पर भरोसा किया रायपुर, 21 नवम्बर (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र पर प्रदेश के हर वर्ग ने भरोसा किया है। 3 दिसंबर को फिर कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है और 2018 में भाजपा सरकार की बिदाई के साथ शुरू हुई नवा छत्तीसगढ़ गढने की कांग्रेस की विकास यात्रा निर्बाध गति से आगे बढ़ेगा। प्रदेश की जनता ने मोदी की गारंटी और भाजपा के घोषणा पत्र से किनारा कर लिया, भरोसा नही किया। माता बहनों ने कांग्रेस सरकार बनने पर छत्तीसगढ़ गृह लक्ष्मी योजना के माध्यम से मिलने वाले हर साल 15000 रु. की राशि, 500 रु. रसोई गैस सिलेंडर में सब्सिडी, महिला समूह की कर्ज माफी जैसे विषयों पर भरोसा किया और बढ़-चढ़ कर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया।

कल कलेक्टोरेट में होगा मतगणना के लिए प्रशिक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी ने जिले के अधिकारियों को 23 नवंबर 2023 को रायगढ़ कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सुबह 10 बजे आयोजित मतगणना प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए डयूटी आदेश जारी किया है।इस प्रशिक्षण में सारंगढ़ बिलाईगढ़ विधानसभा मतगणना टीम भी शामिल होंगे इस प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर निष्ठा पांडेय तिवारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश भारद्वाज, रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मोनिका वर्मा, डॉ. स्निग्धा तिवारी, परियोजना निदेशक पंचायत (डीआरडीए) हरिशंकर चौहान, कोषालय अधिकारी चंद्रपाल सिंह ठाकुर, डीएसपी मनीष कुंवर, अ.वि.अ. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कमल कंवर, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं तहसीलदार नेत्रप्रभा सिदार, आयुष तिवारी, कमलेश सिदार, कोमल साहू, शनिकुमार पैंकरा, बंदेराम भगत, अरपन कुर्रे, देवराज सिदार, रूपाली मेश्राम, मास्टर ट्रेनर चूड़ामणि गोस्वामी, एस.आर. अजय, थानेश्वर प्रसाद चन्द्रा, जे.आर. बंजारे, कुंजबिहारी गहरे, अमिता गुप्ता, सोमा सिंह ठाकुर, कुणाल कुमार सरवैया, आशुतोष श्रीवास्तव, जमुना सिंह वारे आदि शामिल होंगे।

गंभीरता के साथ मतगणना कार्य की जिम्मेदारी भी निभाएं - संभागायुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। 17 नवंबर को संभाग में शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न होने के बाद अब 3 दिसंबर को मतगणना की जानी है। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत 3 दिसंबर को होने वाले मतगणना कार्य के लिए पांच जिलों सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर और मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले की कुल 11 विधानसभा के मतगणना हेतु जिले से आये लगभग 141 अधिकारियों को मंगलवार को आवश्यक प्रशिक्षण जिला पंचायत सभाकक्ष सरगुजा में दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षण में राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ श्री यू.एस. अग्रवाल, सरगुजा संभागायुक्त श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार, राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री प्रणव सिंह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अर्चना पाण्डेय एवं राज्य व जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

सरगुजा संभागायुक्त श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी अधिकारियों को संभाग में शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों ने बेहतर तरीके ने निर्वाचन संपादित कराया है। निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता है और अब मतगणना के कार्य को भी गंभीरता से लेते हुए भली भांति संपन्न कराना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं अनुभव के आधार पर प्रशिक्षण देकर मार्गदर्शन किया है। अब अपने अधीनस्थों को भी इसी तरह गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना आपकी जिम्मेदारी है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सरगुजा कुन्दन ने इस अवसर पर कहा कि राज्य निर्वाचन कार्यालय से मास्टर ट्रेनर मतगणना कार्य हेतु प्रशिक्षण देने यहां उपस्थित हैं। यहां दिए गए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को अपने अधीनस्थों को दें जिससे बेहतर एवं निर्विघ्न मतगणना की कार्यवाही पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि मतगणना बेहद महत्वपूर्ण कार्य है, इसके लिए कुशल कर्मियों का ही चयन किया जाना आवश्यक है।

राज्य निर्वाचन कार्यालय से पहुंचे मास्टर ट्रेनर के द्वारा मतगणना के पूर्व तैयारी, मानव संसाधन व आवश्यक संसाधन की व्यवस्था, डाक मतपत्र की गणना, ईव्हीएम मशीन से मतगणना की व्यवस्था, काउंटिंग प्रोसीजर इटीपीबीएस एवं पोस्टल बैलेट, मतगणना सॉफ्टवेयर, एनकोर, इंडेक्स कार्ड भरने की व्यवस्था जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई।

प्रवासी पक्षियों को खूब भाती है यहां की आबोहवा

ठंड शुरू होते ही हिमालय के पार से पहुंचे बार हेडेड गूस, सहित दर्जनभर प्रजातियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

पाटन। पाटन में सुरक्षित वातावरण और वेटलैंड में भोजन की प्रचूरता प्रवासी पक्षियों को खूब भाता है। ठंड शुरू होते ही इस बार भी हिमालय पार से बार हेडेड गूस के साथ कई प्रजाति की प्रवासी पक्षियां यहां पहुंच चुकी है।

पाटन के बेलौदी, चीचा, अचानकपुर और सांतरा में प्राकृतिक रूप से सुरम्य, हरियाली से भरपूर और जलीय क्षेत्र के रूप में बड़ा वेटलैंड है। इस कारण यह प्रवासी पक्षियों के लिए बेहद अनुकूल क्षेत्र है। वेटलैंड में प्रवासी पक्षियों के लिए प्रचूर भोजन होता है। इसके अलावा यह इलाका सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद अनुकूल है।

इसलिए क्षेत्र में लगातार प्रवासी पक्षियों की संख्या बढ़ती जा रही है। वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर राजू वर्मा बताते हैं कि यहां पर अलग-अलग मौसम में कैस्पियन सागर, तिब्बत और साइबेरिया से प्रवासी पक्षी आते हैं। कुछ पक्षी सीजन तक यहीं बसेरा बना लेते हैं और कुछ अच्छी खुराक लेकर आगे बढ़ जाते हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रवासी पक्षियों के पैसेज का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उनका कहना है कि यहां की आबोहवा प्रवासी पक्षियों की लंबी हवाई यात्रा के बाद विश्राम के लिए अनुकूल है।

इन प्रवासी पक्षियों की होती है आमद

बार हेडेड गूस, ब्लैक हेडेड आइबिस, ब्लैक विंग काइट, कॉमन क्रेस्टल, करमोरेंट, गोल्डन प्लोवर, ग्रीन सेंड पाइपर, हुदहुद, लिटिल रिंग प्लावर,नॉर्थन पिनटेल,पेंटेड स्टोर्क, रेड नेपड आइबिस, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, बुलबुल, स्पून बिल स्टोर्क, शार्ट टोड स्नैक ईगल, वाइट ऑय बजार्ड, वूली नेकेड स्टोर्क, ब्लैक विंग स्टिल्ट, कॉटन पिग्मी गूस, गार्गने, लिटिल इग्रेट, ग्रेट इग्रेट, ओपन बिल स्टोर्क, सिकरा, बर्न आउल, येल्लो ऑय बाबलर आदि प्रवासी पक्षियां यहां पहुंचती है।

बर्ड सेंचूरी के प्रोजेक्ट पर भी काम

पाटन के बेलौदी साइट में प्रवासी पक्षियों के अलावा भारतीय जलीय पक्षियों की भी बड़ी संख्या मौजूदगी रहती है। वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पास उन्होंने बेलौदी में माइग्रेटरी बर्ड्स के कर्जवेशन की संभावनाओं के बारे में प्रस्ताव रखा था। इस पर बर्ड सेंचुरी बनाने की घोषणा की गई थी। इस पर काम भी चल रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन चार सालों में इन वेटलैंड्स में बतख प्रजाति के प्रवासी पक्षियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए शुरू किए गए ग्रंथालय में 4500 पुस्तकों का संग्रह

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिला ग्रंथालय बालोद ने 2016 में अपनी शुरुआत की। संस्था का उद्देश्य सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों को सहायता प्रदान करना था। ग्रंथालय में 4500 पुस्तकों का संग्रह है। मुख्य रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और देश के महानायकों की प्रेरणादायक किताबें, और उपन्यास शामिल हैं। पहले ई-पुस्तकालय की सुविधा थी, लेकिन कोविड के कारण इसे बंद कर दिया गया, जो जल्द शुरू होगा।

इस ग्रंथालय में कई कार्यक्रम होते हैं। जब कोई उम्मीदवार अपनी परीक्षा में सफल होता है, तो उसे दूसरे उम्मीदवारों को प्रोत्साहित करने आमंत्रित किया जाता है। इसके अलावा मोटिवेशनल स्पीकर्स भी उम्मीदवारों को प्रेरित करने आमंत्रित किए जाते हैं। पुस्तकालय का मुख्य रूप से उम्मीदवार ही प्रयोग कर रहे हैं। यहां का वातावरण उनके लिए सबसे बेहतरीन है, जहां वे ग्रुप डिस्कशन कर सकते हैं। परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं। ध्यान दिया गया है कि अधिकांश उम्मीदवार वे हैं, जो कोचिंग के लिए बाहर गए थे। अब वे इस पुस्तकालय से अपनी तैयारी कर रहे हैं। ग्रंथालय का प्रबंधन लोकेंद्र कुमार बघेल करते हैं। वर्तमान में इसमें 2 कर्मचारी कार्यरत हैं। इसे बालोद के जिला शिक्षा अधिकारी मुकुल केपी साव की अधीनता में लाया गया है। ग्रंथालय सुबह 9 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है। आम जनता के लिए सुलभ है। औसतन प्रतिदिन 50 पाठक आते हैं। ग्रंथालय में सदस्यता प्रणाली है, जिसका शुल्क 500 रुपए हैं। पाठक को साल में कम से कम 10 पुस्तकें जारी करनी होती है, जिससे वह सदस्य बना रह सके।

ऐसा न करने से पाठक की सदस्यता समाप्त हो जाएगी। पुस्तक आगम-निर्गम का समय सुबह 10 से शाम 5 तक रहेगा। पुस्तक 14 व पत्रिका केवल 3 दिन के लिए ही निर्गमित की जाती है। शनिवार को पुस्तक का आगमन-निर्गम नहीं किया जाएगा। लोकेंद्र कुमार बघेल प्रबंधक ने कहा कि आगामी योजनाओं में सबसे पहले ई-पुस्तकालय को पुनः खोलने की योजना है। नई शैलियों की पेशकश के लिए रीडिंग क्लब्स को लाने की योजना है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया स्कूलों का निरीक्षण

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी बी.बाखला एवं सहायक संचालक शिक्षा के.के.स्वर्णकार के द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला बोईरडीह विकासखण्ड पुसौर, शासकीय माध्यमिक शाला एकताल विकास खण्ड पुसौर एवं शासकीय प्राथमिक शाला झारापारा (एकताल)विकासखण्ड पुसौर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसमें शासकीय शाला बोईरडीह एवं माध्यमिक शाला एकताल में शिक्षक दैनंदिनी पूर्ण न होना पाया गया जिसके लिए निर्देशित किया गया कि विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, नियमित अध्यापन व्यवस्था व समय पर शिक्षकों को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया जिससे कि विद्यालयों में अध्यापन कार्य सुचारू रूप से संचालन हो सके। जिले के समस्त विद्यालय के संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया कि विद्यालय समय पर खुले एवं समय पर बंद हो साथ ही सभी शिक्षकों को अपनी-अपनी शिक्षक दैनंदिनी तैयार कर निर्धारित अवधि में कोर्स पूर्ण करें।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

झाड़ियों के पीछे मिली अज्ञात शव,जांच में जुटी पुलिस

कोटा (ए)। रतनपुर खुटाघाट डैम से लगे जंगल में लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मामले में हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 5 बजे जंगल में झाड़ियों के पीछे युवक की लाश मिली। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटना को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। अब तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

महिला की शिकायत पर पति और सास-ससुर पर एफआईआर दर्ज

बिलासपुर (ए)। कोटा क्षेत्र में रहने वाले युवक ने शादी के बाद दहेज में मोटर साइकिल नहीं मिलने पर पत्नी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। इसके बाद भी महिला किसी तरह ससुराल में रहती रही। करीब पांच साल बाद ससुराल वालों ने मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाने में जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया गया है। मंगला के धुरीपारा निवासी आराधना बंजारे की शादी पांच साल पहले कोटा क्षेत्र के घोंघाडीह में रहने वाले दिलेश बंजारे से हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही दिलेश और उसके घर के लोग दहेज में बाइक नहीं लाने की बात कहते हुए आराधना को प्रताड़ित करने लगे। दो महीने पहले दिलेश और उसके पिता साधे लाल बंजारे, मां प्यारी बाइ ने आराधना से मारपीट की।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक चालक की कुचला, युवक की मौत

जशपुर (ए)। पत्थलगांव शहर में तेज रफ्तार का कहर लगातार जारी है। शहर में तीन दिन में पांच सड़क हादसों के बाद फिर एक ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का नाम संजय कुजूर बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, हादसा शहर के लुड़ेग मार्ग पर पुरन तालाब के पास हुआ। वहीं दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है, जिसकी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि पत्थलगांव शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए यहां इंदिरा चौराहा पर लगाएं स्वचालित सिग्नल लम्बे समय से ठप्प हो गया है।

जादू-टोना के शक में हुई थी कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या लावारिस हालत में मिली थी लाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर के कुनकुरी थाना क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या की गुत्थी सुलझाने में पुलिस को सफलता मिली है। मामले में पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर में शामिल पति पत्नि एवं पुत्र को गिरफ्तार किया है। जादू टोना के शक में हत्या की बात सामने आई है। एक ही परिवार के तीन लोगों ने मिलकर कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या कर दी और शव को सड़क पर फेंक दिया था। हत्या की वारदात के लगभग 6 दिन बाद पुलिस ने इसका खुलासा किया है। मामले में गांव की महिला सहित उसके पति व बेटे को गिरफ्तार किया गया है। मामला कुनकुरी थाने का है। इनके खिलाफ धारा 302, 120(बी) व छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना अधिनियम 2012 की धारा 4, 5 के कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया।

बता दें 16 नवंबर को कुनकुरी पुलिस को सूचना मिला कि हर्राडांड़ जखाटोली में शव मिला है। पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की पहचान वृन्दा राम नागवंशी (64) के रूप में हुई। उसके सिर, चेहरे पर गंभीर चोट के निशान मिले। प्रथम दृष्ट्या में किसी हथियार से उसकी हत्या करने के प्रमाण मिले। इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने गांव में कई लोगों से पूछताछ की। इस दौरान पुलिस को हर्राडांड़ का मनोज कुमार एवं उसके पुत्र किरनजीत पर शक हुआ। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस की पूछताछ में दोनों ज्यादा देर तक झूठ नहीं बोल पाए और सारी सच्चाई बता दी। पुलिस ने मनोज कुमार एवं उसके पुत्र किरनजीत के साथ उसकी पत्नी फुलमेत बाई को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस से जानकारी मिली कि आरोपी पति-पत्नी बीते पांच वर्षो से गांव के बैगा वृंदाराम की हत्या करने की कोशिश में लगे हुए थे। मृतक को 15-16 नवंबर की दरमियानी रात में अकेले पाकर पहले मां-बाप ने डंडे से बेदम पिटाई कर दी और उसके बेहोश हो जाने पर मरा समझकर घर जाकर बेटे को जानकारी दी। बाद में बेटे ने जाकर देखा तो उसे जिंदा देख कुल्हाड़ी से मारकर मौत के घाट उतार दिया।

थाना प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि मृतक के पुत्र संजय राम की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। उन्होंने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने विशेष टीम बनाकर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की। इसी दौरान टीम को पता चला कि हर्राडांड का मनोज कुमार एवं उसका पुत्र किरनजीत मृतक वृन्दा राम पर जादू टोना करने का शक करते हुए रंजिश रखते थे। संदेह के आधार पर मनोज कुमार, किरनजीत को हिरासत में लेकर घटना के बारे मे बारीकी से पूछताछ करने पर बताया कि वृन्दाराम उर्फ बैगा झाड़-फूंक का काम करता था। वह जब भी मिलता था, कहता था जादू-टोना कर दूंगा। इनके परिवार के लोग अक्सर बीमार रहते थे। पुत्र किरनजीत भी बहुत बीमार पड़ा था। आरोपियों को शक था कि वृन्दाराम ही परिवार के लोगों पर जादू-टोना करता है, इसलिए साजिश रची कि मौका मिलने पर वृन्दाराम को जान से मारकर खत्म कर देंगे।

उन्होंने बताया कि 15 नवंबर की रात करीब 9 बजे आरोपियों के हाथ वृन्दा लग गया, इस दौरान मनोज कुमार जान से मारने की नीयत से उसके गले, सिर पर अपने पास रखा लकड़ी का डंडा मारा, तब वृन्दाराम रोड पर गिर कर बेहोश हो गया। फिर पत्नी फुलमईत के साथ दोनों सीधे अपने घर आ गए और बेटे किरनजीत को बताया। किरनजीत घर से कुल्हाड़ी लेकर गया और वृन्दाराम को जिंदा देखकर 3-4 बार कुल्हाड़ी के पिछले हिस्से से उसके सिर में मारकर हत्या कर दी।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त आला जरब डंडा, टांगी, वारदात के समय पहना कपड़े आदि जब्त कर लिया है। प्रकरण में धारा 302, 120(B) IPC के तहत आरोपी मनोज कुमार (58 वर्ष) पिता स्व. सुंदरू राम, किरनजीत (20 वर्ष) पिता मनोज कुमार, फुलमत बाई (55 वर्ष) पति मनोज कुमार सभी निवासी हर्राडांड जखाटोली थाना कुनकुरी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाने में थाना प्रभारी सुनील सिंह, एएसआई मनोज साहू, प्रधान आरक्षक मोहन बंजारे, अलिका पैंकरा, आरक्षक प्रमोद रौतिया, पूनम यादव,अमित एक्का, छविकान्त पैंकरा, चंद्रशेखर बंजारे की भूमिका रही।

टेस्ट ड्राइव के बहाने नई स्कूटी लेकर भागा युवक

25 हजार एडवांस दे चुका था, जब नहीं लौटा तो शोरूम संचालक ने दर्ज कराई एफआईआर

भिलाई। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में एक युवक शोरूम में टेस्ट ड्राइव के बहाने नई एक्टिवा लेकर भाग गया। उसने गाड़ी खरीदने के लिए बुक कराया था। जब युवक स्कूटी लेकर नहीं लौटा तो संचालक ने थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।

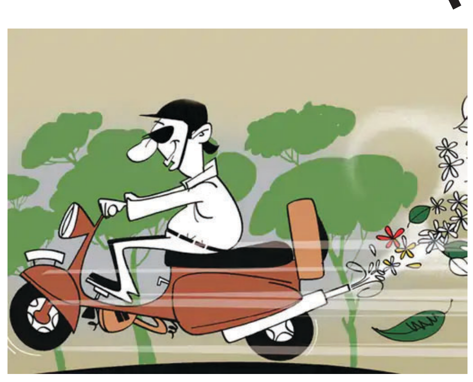

कुम्हारी थाना प्रभारी संजीव मिश्रा ने बताया कि बाइक शोरूम संचालक श्रीकांत पांडेय ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। पाण्डेय ने बताया कि 18 नवंबर को उनके शोरूम में एक युवक स्कूटी खरीदने आया और अपना नाम शिवम बताया था।

आरोपी ने 25 हजार एडवांस भी दिया

शिवम ने एक एक्टिवा बुक कराया। उसने टोकन मनी के रूप में कंपनी के खाते में 25 हजार रुपए भी ट्रांसफर किए। बाकी पैसे के लिए फाइनेंस कराने की बात कही। इस बीच आरोपी एक व्यक्ति को फाइनेंस कंपनी का एजेंट बताकर लाया। उसने बताया कि वो उनकी गाड़ी को फाइनेंस करेंगे और 21 नवंबर तक बैंक अप्रूवल दे देंगे।

युवक ने भी डीओ देने का आश्वासन दिया। जब शोरूम संचालक को विश्वास हो गया तो युवक ने उनसे गाड़ी रेडी करने की बात कही। कंपनी के कर्मचारी ने स्कूटी में एसेसरीज लगाकर उसे तैयार कर दिया। जब आरोपी ने स्कूटी की टेस्ट ड्राइव करने की बात कही तो एडवांस मिलने की वजह से स्टॉफ ने उसे चाबी दे दी। शोरूम से स्कूटी लेकर बाहर गया शिवम वापस नहीं आया।

शोरूम संचालक की भी लापरवाही आई सामने

इस मामले में शोरूम संचालक की भी बड़ी लापरवाही सामने आई है। नियम के मुताबिक बिना आरटीओ रजिस्ट्रेशन और इंश्योरेंस के कोई भी वाहन विक्रेता किसी भी कस्टमर को गाड़ी ऑनरोड चलाने के लिए नहीं दे सकता है। इसके लिए उनके पास रजिस्टर्ड टेस्ट ड्राइव वाहन होते हैं। बावजूद इसके युवक को नई गाड़ी चलाने दे दिया।

राजधानी में आईएएस अफसर की कार में ब्लास्ट चार्ज पर लगाकर शॉपिंग करने गया था परिवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इलेक्ट्रिक वाहन कितने खतरनाक हो सकते हैं इसका नजारा राजधानी में देखने को मिला। रायपुर के एक आईएएस अफसर की इलेक्ट्रिक कार में ब्लास्ट हो गया। घटना मंगलवार की है। दरअसल इलेक्ट्रिक कार को चार्ज में लगाकर पूरा परिवार शॉपिंग करने चला गया और इधर कार में ब्लास्ट हो गया। कार में ब्लास्ट होने से बंगले का एक हिस्सा भी जल गया। एक वाहन सहित घर का काफी सामान जल गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। मामला गंज थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा आईएएस अफसर सुधाकर खलको के बंगले पर हुआ। मंगलवार की शाम को आईएएस खलको का परिवार शॉपिंग करने गया। घर पर टाटा नेक्सन इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग पर लगी थी। अत्याधिक देर तक चार्ज में लगे होने के कारण कार में जोरदार ब्लास्ट हो गया और देखते ही देखते आग भड़क गई। चंद मिनटों में ही आग फैल गई और पास में खड़े इनोवा वाहन के साथ ही बंगले का एक हिस्सा जलने लगा।

घटना के सूचना के बाद खलको परिवार घर पहुंचा। घटना की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। वहीं रायपुर कलेक्टर सर्वेश्वर भूरे भी मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। आग इतनी तेजी से फैली की सीलिंग फैन तक गल गया था। गनीमत यह रही कि आग की चपेट में कोई नहीं आया। आग से खलको परिवार का लाखों का नुकसान हुआ है। वहीं हादसे का मुख्य कारण इलेक्ट्रिक कार का चार्ज में लगा होना ही बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस घटना की जांच कर रही है।

ओखा-शालीमार एक्सप्रेस में छापा, पेंट्रीकार में मिले चार गैस सिलेंडर जब्त, मैनेजर पर मामला दर्ज

रायपुर (ए)। अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत ट्रेनों के पेंट्रीकार में जांच जारी है। मंगलवार को रेलवे वाणिज्य विभाग की टीम ने ओखा-शालीमार एक्सप्रेस में दबिश देकर पेंट्रीकार का जायजा लिया। इस दौरान चार गैस सिलिंडर व चार चूल्हा जब्त किए गए। इस मामले में पेंट्रीकार मैनेजर के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है।

ट्रेनों की पेंट्रीकार में खाना पकाना प्रतिबंधित है। इसलिए संचालक इसमें गैस सिलिंडर, चूल्हा य अन्य कोई ज्वलनशील वस्तु नहीं रख सकता। यह नियमों का उल्लंघन है। हालांकि प्रतिबंध के बाद भी आदेश का पालन नहीं हो रहा है और पेंट्रीकार में चोरी-छिपे गैस सिलिंडर का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह ट्रेनों में आग लगने की सबसे बड़ी वजह है। आग लगने की यह घटना मानव जीवन एवं रेल संपदा के लिए सबसे गंभीर क्षति में एक है।

बता दें कि यात्रियों को ट्रेनों में यात्रा के दौरान अग्नि सुरक्षा के महत्व से अवगत कराने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही लोगों से ज्वलनशील वस्तुएं लेकर सफर नहीं करने की अपील की जा रही है। इस अभियान के तहत वाणिज्य विभाग पेंट्रीकार की जांच कर रहा है। इसी के तहत वाणिज्य विभाग की टीम ने 22905 ओखा-शालीमार एक्सप्रेस में जांच की। पेंट्रीकार के पैनल के अंदर में चार सिलिंडर के अलावा चार गैस चूल्हे जब्त किए।

एसएसपी ने ली अफसरों की बैठकः राजधानी में बढ़ते क्राइम रेट पर भड़के, कहा- लापरवाही बर्दाश्त नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में लगातार बढ़ रहे क्राइम रेट को लेकर एसएसपी प्रशांत अग्रवाल सीएसपी-डीएसपी और थाना प्रभारियों की मीटिंग ली। बैठक के दौरान वे काफी नाराज दिखे और अफसरों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसएसपी ने सख्त लहजे में इन थानेदारों से बोले कि आमजनों की शिकायतों पर ध्यान दें और तत्काल कार्रवाई करें। एसएसपी ने सभी थानेदारों को रात में गश्त और पेट्रोलिंग बढ़ाकर संदिग्ध लोगों पर नजर रख कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही माहौल बिगाड़ने वालों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई करने कहा गया।

मंगलवार को SSP प्रशांत अग्रवाल द्वारा सिविल लाईन स्थित सी/4 भवन के सभाकक्ष में राजपत्रित अधिकारियों सहित थाना प्रभारियों की बैठक ली गई। बैठक में ठण्ड के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए चोरी की घटनाओं के बढ़ने की संभावना के मद्देनजर पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को रात्रि गश्त पुख्ता एवं मुस्तैदी पूर्वक करने एवं बाहरी व्यक्तियों पर निगाह रखने कहा गया। SSP ने निगरानी बदमाशों पर भी लगातार निगरानी रखने एवं उनकी चेकिंग कर बदमाशों पर वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही थानों में दर्ज चोरी के लंबित प्रकरणों में अज्ञात आरोपियों की पतासाजी करते हुए प्रकरणों का जल्द से जल्द सुलझाने कहा गया।

एसएसपी ने सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को लेकर राजपत्रित अधिकारियों सहित थाना प्रभारियों को अपने-अपने अनुभाग एवं थाना क्षेत्रों में विजिबल पुलिसिंग कर अड्डेबाजों, असामाजिक तत्वों सहित संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग करने के भी निर्देश देने के साथ ही मारपीट सहित अन्य समस्त प्रकार के लंबित प्रकरणों जिनमें आरोपियों की गिरफ्तारी नही हुई है ऐसे प्रकरणों के आरोपियों को यथाशीघ्र गिरफ्तार करने हेतु कहा गया। साथ ही नए साल को ध्यान में रखते हुए थाना प्रभारियों को अधिक से अधिक लंबित अपराधों का निकाल करते हुए प्रकरणों का चालान न्यायालय के समक्ष पेश करने निर्देशित किया गया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में सेमेस्टर परीक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षा 05 दिसंबर से आरंभ

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा दिसंबर में आयोजित होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षा 05 दिसंबर से आयोजित होगी तथा थ्योरी परीक्षा 28 दिसंबर से आरंभ होना प्रस्तावित है। इस संबंध में विष्वविद्यालय में आज कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा की अध्यक्षता में कुलसचिव एवं परीक्षा विभाग के समस्त अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। यह जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव एवं उपकुलसचिव, डॉ. राजमणि पटेल ने संयुक्त रूप से बताया कि सेमेस्टर परीक्षाओं की सभी प्रायोगिक परीक्षाएं महाविद्यालयों द्वारा 05 दिसंबर से 12 दिसंबर के मध्य आयोजित किये जाने के निर्देष महाविद्यालयों को प्रसारित किये जा रहे है। इस संबंध में विष्वविद्यालय शीघ्र अधिसूचना जारी करेगा। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में थ्योरी सेमेस्टर परीक्षाओं का आरंभ 28 दिसंबर से किये जाने पर भी सहमति बनी इन परीक्षाओं में सर्वप्रथम एमए, तथा एमएससी, एमएड, डीसीए, पीजीडीसीए, पीजी डिप्लोमा इन योगा के प्रष्नपत्रों से शुरूआत होगी तथा इसके पश्चात् एमकॉम, बीबीए तथा एलएलबी के प्रष्नपत्र आयोजित होंगे। डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार अन्य विष्वविद्यालयों की तरह इस वर्ष सेमेस्टर विद्यार्थियों के महाविद्यालयों में इंटरचेंज किये जाने की योजना है। इसके अंतर्गत एक महाविद्यालय के परीक्षार्थी समीपवर्ती दूसरे महाविद्यालय में परीक्षा में बैठेंगे। आवश्यक होने पर परीक्षा केन्द्रों में विष्वविद्यालय अपने पर्यवेक्षक भी भेजेगा। सेमेस्टर परीक्षाओं में चुंकि बीएड प्रथम सेमेस्टर में प्रवेष प्रक्रिया जारी है अत: इसकी सेमेस्टर परीक्षा सभी सेमेस्टर परीक्षाओं की समाप्ति के पश्चात् आयोजित की जावेंगी।

आओ रक्तदान कर पीड़ित मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान दें

दुर्ग। जीते जी रक्तदान मरणोपरांत नेत्रदान की कहावत को चरितार्थ करते हुए सपना फाऊंडेशन दुर्ग एवं मोक्षित निरामया के सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन एम्स रायपुर के प्रशिक्षित डॉक्टरों की टीम एवं टेक्निकल टीम के सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन उसे वाटिका चौक ऋषिराज मंगलम के पास गंजपारा दुर्ग में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति के प्रमुख कार्यक्रम समन्वयक प्रफुल्ल संचेती तथा शांती लाल चोपड़ा ने जानकारी देते हुए बताया मोक्षित निरामया की प्रथम वर्षगांठ की अवसर पर एम्स रायपुर द्वारा पहली बार दुर्ग शहर में 23 नवंबर को प्रात: 10:30 बजे से 2:00 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन दुर्ग भिलाई चार्टर्ड अकाउंटेंट एसोसिएशन, श्रमण संघ परिवार के सहयोग से किया जा रहा है। क्या आपने कभी रक्त दान किया है यदि हां तो हमारी बधाई स्वीकार करें यदि नही तो फिर इसकी शुरुआत करने का निवेदन आयोजन समिति ने किया हे। मोक्षित निरामयम, पुष्प वाटिका चौक, ऋषिराज मंगलम के पास ,गंज पारा, दुर्ग में आकर इस रक्त दान शिविर को सफल बनाने का आह्वान किया गया है। जहाँ एम्स रायपुर की प्रशिक्षित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मी के मार्गदर्शन में रक्त दान शिविर होगा। पीड़ित मानवता की सेवा में हम सभी एम्स के योगदान को जानते ही है अपने रक्त दान को अति आवश्यक जन के उपयोग हेतु आपका यह सहयोग योगदान प्रशंसनीय होगा। एम्स रायपुर की ओर से सम्मानित भी किया जाएगा।

दुर्ग में अफसरों को बताई गई मतगणना की बारीकियां, विशेषज्ञों ने बताया कैसे करें काउंटिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने के बाद अब मतदगणना का इंतजार है। 3 दिसम्बर को मतगणना होनी है और इसके लिए अफसरों की नियुक्ति भी हो गई। मंगलवार को दुर्ग, बेमेतरा एवं बालोद जिले के लिए नियुक्त अधिकारियों को बीआईटी सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विहित नियमों का पालन करते हुए मतगणना कार्य संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक बिन्दुओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देशानुसार उप जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंग दुबे की मौजूदगी में राज्य निर्वाचन कार्यालय से आए निर्वाचन प्रशिक्षक पुल्लक भट्टाचार्य, गीता देवांगन ने मतगणना के दौरान किए जाने वाले दायित्वों की विस्तार से जानकारी देते हुए प्रशिक्षण दिया। मतगणना के संबंध में प्रमुख वैधानिक प्रावधानों, नियमों तथा मतगणना के दौरान कौन-कौन सी जरूरी सावधानी बरती जानी है एवं इस दौरान कौन-सी प्रारूप में आवश्यक प्रतिपूर्ति की जानी, इसकी जानकारी से अधिकारियों को अवगत कराया गया।

14 टेबल में होगी मतों की गणना

विधानसभावार 14 टेबल में मतों की गणना की जाएगी। प्रत्येक टेबल में एक सुपरवाईजर जो राजपत्रिक अधिकारी रेंक का होगा तथा एक गणना सहायक होंगे। प्रत्येक टेबल में माइक्रो आब्जर्वर नियुक्त किए जाएंगे। मतगणना अभिकर्ता की नियुक्ति तीन बार रेण्डोमाईजेशन कर किया जाएगा। पहली रेण्डोमाईजेशन जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में तथा दूसरा व तीसरा रेण्डोमाईजेशन आब्जर्वर की मौजूदगी में किया जाएगा। मतगणना स्थल पर प्रवेश हेतु निर्धारित लोगों को प्रवेश पास जारी किया जाएगा। प्रशिक्षण में दुर्ग अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, गोकुल रावटे, नगर निगम आयुक्त व अपर कलेक्टर रोहित व्यास, उप जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंग दुबे सहित तीनों जिले के आरओ और एआरओ. उपस्थित थे।

मोबाइल पर रहेगा प्रतिबंद, इन्हें मिलेगी अनुमति

प्रशिक्षण में बताया गया कि मतगणना स्थल में मोबाईल लेकर प्रवेश वर्जित रहेगा। मतगणना स्थल पर रिटर्निंग आफिसर एवं सहायक रिटर्निंग आफिसरों को भी मोबाईल रखने की अनुमति नहीं होगी। इस दौरान केवल प्रेक्षक ही मोबाईल रख सकेंगे। मीडियाकर्मियों को मतगणना स्थल में बनाए गए मीडिया सेंटर तक ही मोबाईल ले जाने की अनुमति दी जाएगी। वीडियोग्राफी रेण्डमाईजेशन प्रक्रिया, स्ट्रांग रूम के खोले जाने, स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक ईवीएम का परिवहन, मतगणना हॉल की व्यवस्थाओं, मतगणना प्रक्रिया, प्रेक्षकों द्वारा ईवीएम में गणना की, सुरक्षा व्यवस्थाओं की, अभ्यर्थी या अभ्यर्थी के अभिकर्ताओं की उपस्थिति की, परिणाम घोषणा प्रक्रिया की जाएगी। समस्त प्रक्रियाओं की वीडियोग्राफी की सीडी बनाकर रखना होगा। प्रशिक्षण में आज मतगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने हेतु अधिकारियों को अनुशासन व शिष्टाचार के साथ मतगणना की बारीकियों के संबंध में गहन प्रशिक्षण दिया गया।

दी गई पूरी ट्रेनिंग

इस दौरान मतगणना के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की जानकारी देते हुए उनका शत-प्रतिशत् पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रशिक्षकों के द्वारा ईवीएम की सील तोड़ने की विधि के अलावा संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसके साथ ही आवश्यकता पड़ने पर पुर्नगणना, लाट आदि की प्रक्रियाओं एवं निर्देशों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया कि दो उम्मीदवारों को बराबर मत प्राप्त होने की स्थिति में लाट निकाला जाएगा। लाट निकालने से पहले निर्वाचन आयोग से अनुमति लेना आवश्यक है। प्रशिक्षण में मतगणना स्थल पर प्रवेश हेतु मतगणना कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा उम्मीदवारों एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं तथा मीडियाकर्मियों को पहचान पत्र जारी किए जाने के संबंध में प्राप्त दिशा-निर्देशों की भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में मतगणना के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किए गए प्रेक्षकों की भूमिका के संबंध में भी जानकारी दी गई।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों की दी जानकारी

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने मतगणना कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व मौके पर उपस्थित उम्मीदवारों एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं को निर्वाचन आयोग से प्राप्त दिशा-निर्देशों की जानकारी अनिवार्य रूप से देने को कहा। प्रशिक्षण के दौरान मतगणना केन्द्रों पर आधारभूत संरचना, मतगणना केन्द्रों में सुरक्षा व्यवस्था, मीडिया सेंटर में आवश्यक सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, गणना हेतु मतगणना सामग्री, डाक मतपत्रों की गणना, ईवीएम में दर्ज मतों की गणना, वीवीपीएटी स्लीप गणना, मतगणना की समाप्ति के पश्चात ईवीएम तथा निर्वाचन सामग्रियों को मुहरबंद करने और परिणाम की घोषणा के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारियां दी गई।

सीएसवीटीयू भिलाई द्वारा बस्तर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के बीच युवा उत्सव का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई द्वारा बस्तर जोन क्र0 4 के अंतर्गत पॉलीटेक्निक/ इंजिनीयरिंग/ फार्मेसी संस्थाओं के बीच अंतर- महाविद्यालयीन युवा उत्सव 2023-24 का आयोजन शासकीय सहशिक्षा पॉलीटेक्निक, आडावाल, जगदलपुर द्वारा 20 एवं 21 नवंबर को संस्था परिसर में किया गया। जिसमें शासकीय सहशिक्षा पॉलीटेक्निक जगदलपुर तथा शासकीय इंजिनीयरिंग महाविद्यालय जगदलपुर एवं शासकीय कन्या पॉलीटेक्निक के छात्र-छात्राओं द्वारा भाग लिया गया।

उक्त दो दिवसीय स्पर्धा में क्रमशः प्रथम दिवस रंगोली (विषय सामाजिक जागरूकता), महेंदी (विषय लोक संस्कृति), चित्र कला इत्यादि एवं द्वितीय दिवस तात्कालिन भाषण, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी एवं निबंध लेखन (विषय वेश्विक शांति में भारत का योगदान) इत्यादि प्रतियोगिता आयोजित किये गये थे। इस दौरान मुख्य अतिथिगण के रूप में अतुल डोंगरे (संभागीय कार्यालय, नगरीय प्रशासन, बस्तर संभाग) तथा भूपेश साहू तथा शासकीय सहशिक्षा पॉलीटेक्निक जगदलपुर के प्रधानाचार्य ए. डी. पाटील एवं आयोजन सचिव पुष्पेंद्र अलसारे उपस्थित थे। अंत में समस्त प्रतिभागियों एवं विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरुस्कार वितरण कर आयोजन का सफलता पूर्वक समापन किया गया।

रोका छेका, सम्पत्ति विरूपण के लिए नये सिरे से टीम गठित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम द्वारा सरकारी भवन, बिजली खम्बो, पुल एवं पुलिया में लगाये गये बेनर पोस्टर, झण्डे की जप्ती तथा रोका छेका के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नये सिरे से टीम का गठन किया गया है।

विधानसभा निर्वाचन के प्रभावशील आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने तथा धूमन्तू पशुओं पर लगाम लगाने आयुक्त रोहित व्यास ने नये सिरे से टीम गठन किया है, ताकि संपत्ति विरूपण एवं रोका छेका संकल्प अभियान पर प्रभावी ढंग से कार्यवाही किया जा सके। आगामी 15 दिवस के लिए गठित टीम के नोडल अधिकारी अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, सहायक नोडल अधिकारी रमाकांत साहू उपायुक्त होगें। टीम में अनिल सिंह, धीरज साहू, जगदीश तिवारी, अनिल मेश्राम, बालकृष्ण नायडू, मलखान सिंह सोरी, हरिओम गुप्ता, व्ही के सैम्युएल, अमन पटले, अंकित सक्सेना, अनिल मिश्रा, आर के तिवारी, सुदामा परगनिहा, यशवंत मसकरे, कमलेश द्विवेदी, हेमंत मांझी, अंजनी सिंह, योगेश ठाकुर, विश्वकांत सम्मिलित रहेगें, जो सम्पूर्ण निगम क्षेत्र में घुम कर निर्धारित तिथि अनुसार सभी जोन में सड़क पर घूमने वाले पशुओं की घड़पकड़ तथा शासकीय भवन, पुल पुलिया, बिजली खम्बो एवं पेड़ पौधो में लगाये गये राजनैतिक पार्टी के बेनर, पोस्टर व झण्डे को उतार कर जप्ती की कार्यवाही करेगे। पशुओ को गौठान में रखा जायेगा, जहां उनके लिए छांव तथा हरे चारे एवं पानी की व्यवस्था किया गया है। टीम प्रतिदिन किये जाने वाले कार्यवाही का प्रतिवेदन नोडल अधिकारी को प्रस्तुत करेगे।

आयुक्त ने शहरी गौठान में गोपालष्टमी के महापर्व पर गाय एवं कान्हा की पूजा कर सुख समृद्धि की कामना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत पुलगांव स्थित गोकुल नगर के गौठान में आज गोपालष्टमी के दिन गोवर्धन,गाय और बछड़े तथा गोपाल की पूजन का विधान है।इस दिन पूजा करने से सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है।सोमवार को गौठान पहुँचकर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने गो पूजा की।उन्होंने गौठान में अन्य लोगो के साथ गाय की पूजाकरभोजन भी कराया। पुलगांव स्थित गोकुल नगर के गौठान मे गोपाष्टमी महापर्व धूमधाम से मनाया गया।

गोपाष्टमी पर्व कृष्ण की लीला गौचारण का पर्व है जो गौवंशो के स्वछंद विचरण एवं सुख समृद्धि का प्रतीक है आज गोपाष्टमी के अवसर पर शहरी गौठान पुलगांव मे धूमधाम से यह पर्व मनाया गया जिसका प्रारम्भ गौवंशो के पूजन एवं भजन कीर्तन से हुआ। आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली और अन्य लोगो साथ विधि विधान से गौवंशो की पूजा अर्चना की। भक्ति भजनो के साथ कार्यक्रम के अगले चरण मे श्री हनुमंत शक्ति अखाडा के युवाओं द्वारा बहुत ही सुन्दर अखाडा की प्रस्तुति दी जिससे उपस्थित गौभक्तो मे उत्साह का संचार हुआ।कार्यक्रम के इसी कड़ी मे पारम्परिक राउत नाचा भी आयोजित किया गया।कल्याणम महिला स्व सहायता समूह द्वारा संचालित गौठान मे व्यवस्थापक देवशीष घोष के मार्गदर्शन,अध्यक्ष गायत्री डोटे की अगुवाई मे अन्य सहयोगी राष्ट्रीय सनातन हिन्दु परिषद के मनोज ठाकरे,डॉक्टर नेहा गुप्ता न्यायाधीश लोक अदालत,गोवर्धन जायसवाल ,गरिमा फाउंडेशन से लता सोनी,ममता सोनी,आशा राठी,जयश्री वर्मा,हिन्दु शक्ति सेवा संगठन से शशि बांछोड़,बजरंग दल से राकेश रामलोचन तिवारी एवं सैकड़ो बजरंग दल के कार्यकर्ता ,सतरूपा सीतला सेवा समिति से नंद ताम्रकार एवं उनकी धर्मपत्नी एवं सैकड़ो की संख्या मे गौभक्त उपस्थित रहे।

डेंगू रोकथाम एवं नियंत्रण अभियान जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के जनस्वास्थ विभाग एवं जिला मलेरिया विभाग, दुर्ग द्वारा संयुक्त रूप से विगत कई महीनों से सम्पूर्ण भिलाई टाउनशिप एवं संयंत्र के भीतर डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु वृहद सर्वेक्षण, लार्वानाशी के नि:शुल्क वितरण एवं जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त एंटीलार्वा अभियान के साथ-साथ दवा का छिड़काव, फॉगिंग, स्प्रे तथा टेमीफॉस दवा का वितरण तथा आमजनों को डेंगु से बचाव हेतु किए जाने वाले उपायों के पर्चे भी बांटे जा रहे है। डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु चलाये जा रहे इस अभियान के तहत विविध कार्यों को तेजी से अंजाम दिया जा रहा है। टाउनशिप के विभिन्न सेक्टर्स एवं संयंत्र के भीतर एंटीलार्वा अभियान चलाया जा रहा है। कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, इनडोर स्प्रे, आउटडोर स्प्रे, एंटी लार्वा एक्टीविटिस (आइलिंग व स्प्रे), बैकलेन स्प्रे व ऑइलिंग कार्य किया जा रहा है। साथ ही रुके हुए पानी में ऑइलिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। टाउनशिप के आवासों में लार्वानाशक टेमीफॉस घोल का वितरण किया जा रहा है। जागरूकता अभियान के तहत लोगों के घर-घर जाकर समझाइश दिया गया, पाम्पलेट वितरण किया गया एवं कूलर चेकिंग किया जा रहा है तथा लोगों को निर्देशित किया गया कि कूलर एवं पानी स्टोरेज की टंकियां साफ रखे व पानी बदलते रहे। कूलर व पानी स्टोर करने वाली टंकियों में प्रत्येक 04 दिनों के भीतर टेमीफॉस घोल डाल दें। साथ ही जल के जमाव की स्थिति में कोई भी जला हुआ ऑइल डाल दें। बैक लाइन एवं गार्बेज कंटेनरों के आसपास ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव कराया जा रहा है। टाउनशिप के स्कूलों, बाजारों, एवं सार्वजनिक स्थानों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। टाउनशिप में चिन्हित मच्छरों के ब्रीडिंग प्लेस में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, ऑइलिंग किया गया। पानी जमा होने वाले स्थानों व गड्ढों में मलबा डालकर समतल किया जा रहा है ताकि पानी का जमाव ना हो सके। जमे हुए पानी में उत्पन्न लार्वा को समय रहते नष्ट किया जा सके एवं डेंगू के मच्छर को पनपने से रोका जा सके।

टाउनशिप के समस्त घरों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव एवं टेमीफॉस दवाओं का छिड़काव एवं टेमीफॉस का वितरण किया जा रहा है। इस्पात नगरी क्षेत्र के सभी निवासियों से अनुरोध है कि वे सतर्क हो जाये और मच्छरों और लार्वा को समाप्त करने के लिये सामूहिक रूप से निरंतर प्रयास करें। मच्छर नियंत्रण हेतु व्यक्तिगत स्तर पर किये जा सकने वाले उपाय में सहयोग करें। भिलाई टाउनशिप क्षेत्र को मच्छर रहित क्षेत्र बनाकर डेंगू मुक्त बनाने का सतत् प्रयास जारी है।

आंवला नवमीं का पर्व हमारी धार्मिक व सांस्कृतिक धरोवर-सरोज पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य सभा सांसद एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुश्री सरोज पाण्डेय आज आंवला नवमीं पर्व के अवसर पर दुर्ग के राजेन्द्र पार्क में महिला बहनों के साथ आंवला वृक्ष की पूजा अर्चना कर दुर्ग शहर की समृद्धि और मंगल कामना की। इस मौके पर उन्होनें सैकड़ों की संख्या में उपस्थित महिला बहनों को आंवला नवमीं पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ भी दी।

आंवला नवमी के अवसर पर राजेन्द्र पार्क में उपस्थित महिला बहनों ने राज्य सभा सांसद डॉ. सुश्री सरोज पाण्डेय को अपने बीच पाकर बड़ी उत्साहित हुई और वहीं उन्होनें राज्य सभा सांसद को माला एवं स्कार्फ पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत किये ।

ऐसी मान्यता है कि आज के दिन आंवला वृक्ष के नीचे भोजन बनाने के बाद उसे प्रसाद के रुप में ग्रहण करने से उत्तम आरोग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही व्यक्ति के सभी दरिद्रता का नाश होता है । इसकी भक्ति करने से कई जन्मों तक इसके पुण्य फलों की प्राप्ति होती है ।

इस संबंध में राज्य सभा सांसद सुश्री पाण्डेय ने कहा कि दुर्ग के इस राजेन्द्र पार्क से मेरा विशेष लगाव है और मेरा सौभाग्य है कि मुझे आज यहॉ आने का मौका मिला है। उन्होनें कहा आंवला नवमीं का यह पर्व हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोवर है जिसे एक निश्चित तिथि को हम मनाते हैं । इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा करने से मॉ लक्ष्मी और भगवान विष्णु प्रसनन्न होते हैं। जिससे सुख, समृद्धि, और खुशहाली का आगमन होता है। आंवला नवमीं पर्व की परंपरा अनुसार राजन्द्र पार्क में उपस्थित महिलाओं ने राज्य सभा सांसद के साथ वृक्ष के नीचे भोजन पकाकर उसे प्रसाद के रुप में ग्रहण की।

इस मौके पर श्रीमती उषा टावरी, श्रीमती चंद्रिका चंद्राकर, श्रीमी सीमा शर्मा, भावना दिवाकर, आभा फुले, रजिन्दर कौर, कुमुद बघेल, सीमा चंद्राकर, ममता चंद्राकर, पूनम चंद्राकर, उषा चंद्राकर, रानी चंद्राकर, रश्मि शुक्ला, अर्चना मिश्रा, श्रीमती रत्ना मैडम, दीपक देवांगन, आशा यादव, चम्पा साहू, सीमा शर्मा, कल्पना जोशी, स्वेता बक्शाी, राजश्री समर्थ, लीला चंद्राकर, प्रभा सिंग, सीमा तिवारी, विद्या नामदेव, सरिता मिश्रा, सावित्री दिल्लीवार, ममता जैन, रीता दुबे, कुसुम, मेघा, मोहनी सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएँ राजेन्द्र पार्क में उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950